RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 244 ता. 09 मार्च 2021, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

INS विक्रमादित्य व शक्तिपर हुई महिला अधिकारियों की तैनाती

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर सोमवार, ८ मार्च को भारतीय नेवी के प्रवक्त ने वॉरशिप पर महिला अफसरों के तैनात किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया, हाल में ही वॉरशिप पर नेवी की चार महिला अधिकारियों को तैनात किया गया है। इनमें से दो महिला अधिकारियों को एयरक्राफ्ट कैरियर आइएनएस विक्रमादित्य पर तैनात किया गया है वहीं दो को नेवी टैंकर शिप आइएनएस शक्तिपर भेजा गया है। नेवी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार महिला अधिकारियों की तैनाती से पहले वॉरशिप में जरूरी बदलाव किए गए। उल्लेखनीय है कि वर्ष १९९७ में भी नेवी ने महिला अधिकारियों की वॉरशिप में तैनाती की थी लेकिन ऐसा दो साल तक ही संभव हुआ। इसके बाद अब पहली बार महिला अधिकारियों की वॉरशिप में तैनाती की गई है। कुछ वक्त पहले ही नेवी में दो महिला अधिकारी ऑब्जर्वर के तौर पर क्वॉलिफाइ हुई हैं। ये महिला अधिकारी वॉरशिप से भी ऑपरेट करेंगी। इन्हें नेवी के वॉरशिप पर क्रू के तौर पर तैनात किया जाएगा। ये महिला अधिकारी हेलिकॉप्टर में ऑब्जर्वर होंगी। ऑब्जर्वर एक कॉम्बेट रोल है। ऑब्जर्वर किसी भी मिशन को पूरा करने के लिए नेविगेशन सहित टेक्निकल जरूरतें पूरी करते हैं। ढ्ढस्न्न शक्तिपर तैनात होने वाली महिला अधिकारियों में से एक डॉक्टर हैं। उनका कहना है कि वॉरशिप पर तैनात कर डॉक्टर के तौर पर सेवा करने का मौका नेवी की ओर से मिला है। उन्होंने कहा, 'हम अपने पुरुष सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं। भारतीय नेवी ने कुछ साल पहले अलग से केबिन व शौचालयों का निर्माण का काम शुरू कर दिया था ताकि महिला अधिकारियों के लिए इसे तैयार किया जा सके।

मराठा आरक्षण पर सभी राज्य सरकारों को सुप्रीम का नोटिस

नई दिल्ली । मराठा आरक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर पूछा कि ५० फीसद तक आरक्षण देना सही है या नहीं। १५ मार्च से हर दिन इस मामले पर कोर्ट में सुनवाई की जाएगी। बता दें कि महाराष्ट्र के वर्ष २०१८ के कानून को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सोमवार से सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई शुरू की। कोर्ट ने कहा कि आरक्षण के मामले पर सभी राज्?यों को सुना जाना आवश्यक है इसलिए राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर सवाल किया है कि क्?या आरक्षण की सीमा ५० फीसद से अधिक बढ़ाई जा सकती है? मराठा आरक्षण पर इस सुनवाई को १५ मार्च तक के लिए टाल दिया गया है। जस्टिस अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। इसमें जस्टिस एल नागेश्वर राव, जस्टिस एस अब्दुल नजीर, जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस एस रवींद्र भट भी हैं। इससे पहले बेंच ने कहा था कि वह इस मुद्दे पर भी दलीलें सुनेगा कि इंदिरा साहनी मामले में ऐतिहासिक फैसला जिसे मंडल फैसला के नाम से जाना जाता है उस पर दोबारा विचार करने की आवश्यकता है या नहीं।

आज मामले की सुनवाई के दौरान सीनियर वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि इस मामले में अनुच्छेद ३४२ की व्याख्या भी शामिल है। ऐसे में यह सभी राज्?यों को प्रभावित कर सकता है इसीलिए एक याचिका दाखिल हुई है। इसमें कोर्ट को सभी राज्?यों को सुनना चाहिए। मुकुल रोहतगी ने कहा कि बिना सभी राज्यों को सुने इस मामले में फैसला नहीं दिया जा सकता है। बेंच ने कहा, राज्यों को अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाएगा। कोर्ट ने कहा यह मामला केवल एक ही राज्य तक सीमित नहीं है इसलिए अन्य राज्यों को भी सुना जाना चाहिए। पिछले साल ९ दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में मराठाओं के लिए शिक्षा व रोजगार में आरक्षण पर लगी रोक में बदलाव करने से इनकार कर दिया था।

देशवासियों के साथ मनाना है आजादी के ७५ साल का पर्व

समारोहों की तैयारी संबंधित गतिविधियों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय समिति की पहली वर्चुअल बैठक आयोजित की गई

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सोमवार को आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें १३० करोड़ देशवासियों को साथ लेकर, उन्हें साथ जोड़कर आज ़ादी के ७५ साल का ये पर्व मनाना है।

जनभागीदारी इस आयोजन की, इस उत्सव की मूल भावना है। एक तरह से प्रयास ये है कि कैसे आजादी के ७५ साल का ये आयोजन आजादी का ये अमृत महोत्सव, भारत के जन-जन का, भारत के हर मन का पर्व बने। उन्होंने कहा, ई ऐसे लोग है जो कई पीढ़ियों से देश और समाज के लिए कोई न कोई महान काम कर रहे हैं। उनकी सोच और विचारों को हमें सामने लाना है। देश को उनके प्रयासों से जोड़ना है। यह भी इस अमृत महोत्सव की मूल भावना है। उन्होंने कहा, 'ये वर्ष जितना ऐतिहासिक, गौरवशाली है, देश के लिए जितना अहम है, देश उसे उतनी है भव्यता और उत्साह के साथ मनाएगा। हमारा सौभाग्य है कि समय ने, देश ने इस महोत्सव को साकार करने की जिम्मेदारी हमें दी है। उन्होंने आगे कहा, आज़ादी के ७५ साल का ये पर्व एक ऐसा पर्व होना चाहिए जिसमें स्वाधीनता संग्राम की भावना, उसका त्याग साक्षात अनुभव हो सके। जिसमें देश के शहीदों को श्रद्धांजलि भी हो और उनके सपनों का भारत बनाने का संकल्प भी। जिसमें सनातन भारत के गौरव की भी झलक हो, जिसमें आधुनिक भारत की चमक भी हो। मुझे खुशी है कि ये कमिटी अपने इस कर्तव्य के लिए कड़ी मेहनत के साथ जो आशा-अपेक्षाएं हैं, जो सुझाव आए हैं और जो आते रहेंगे, जन-जन तक पहुंचने का जो प्रयास है उसमें कोई कमी नहीं रहेगी।

बता दें कि भारत की आजादी के ७५ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में समारोहों की तैयारी संबंधित गतिविधियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय समिति की पहली वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। केंद्र सरकार ने इस ७५वें वर्षगांठ को अमृत महोत्सव के रूप में मनाने का फैसला किया है।

आजादी के ७५ वर्ष अगले साल यानि २०२२ के १५ अगस्त को पूरा होगा। बता दें कि यह समिति आजादी की ७५वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की तैयारी के लिए नीतिगत दिशा-निर्देश देगी। इस मौके पर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में २५९ सदस्यीय समिति की बैठक होगी। इस समिति में अनेकों केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, भारतीय जनता पार्टी अध्?यक्ष जे पी नड्डा, कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और अन्य राजनीतिक दलों के नेता शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा और डॉ मनमोहन सिंह, मुख्य न्यायाधीश शरद अरविन्द बोबडे तथा नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अमर्त्यसेन और कैलाश सत्यार्थी भी समिति के सदस्य हैं।

शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला अब टूटा

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजारों पर दो दिन की मुनाफावसूली का सिलसिला सोमवार को थम गया। हालांकि, दिनभर भारी बढ़त में रहने के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी सप्ताह के पहले कारोबारी सत्र में मामूली तेजी के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स ३५.७५ अंक यानी ०.०७ फीसद की तेजी के साथ ५०,४४१.०७ अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर एनएसई निफ्टी १८.१० अंक या ०.१२ फीसद की बढ़त के साथ १४,९५६.२० अंक के स्तर पर बंद हुआ। NSE Nifty पर यूपीएल, गेल, लार्सन एंड टुब्रो, ओएनजीसी और एसबीआइ लाइफ इंश्योरेंस के शेयर सबसे ज्यादा बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर श्री सीमेंट्स, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज ऑटो के शेयरों में सबसे ज्यादा टूट देखने को मिली। सेंसेक्स पर लार्सन एंड टुब्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा ३.४३ फीसद की बढ़त देखने को मिली। वहीं, ओएनजीसी के शेयर २.९६ फीसद तक चढ़ गए। इनके अलावा एचसीएल टेक, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, एसबीआई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, नेस्ले इंडिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टीसीएस और पावरग्रिड के शेयर हरे निशान के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर बजाज फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। इनके अलावा इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज ऑटो, एचडीएफसी, टाइटन, भारती एयरटेल, हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, बजाज फिनजर्व, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, एशियन पेंट, आईसीआईसीआई बैंक, डॉक्टर रेड्डीज और मारुति के शेयर लाल निशान के साथ बंद हुए।

सदन में बढ़े महिला की संख्या, महिला सांसदों ने की मांग

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर राज्यसभा में महिला सांसदों को विभिन्न मुद्दों पर बोलने का मौका दिया गया। छाया वर्मा, प्रियंका चतुर्वेदी, फौजिया खान और अन्य सांसदों ने लोकसभा व राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण की मांग की। कांग्रेस सांसद छाया वर्मा ने कहा, संसद व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने का समय आ गया है लेकिन सरकार बेटी पढ़ाओं की बात करती है लेकिन बेटियों की हालत ठीक नहीं है। भाजपा सांसद सरोज पांडे ने कहा कि सरकार महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को दूर करने की कोशिश कर रही है। राज्यसभा में सोमवार को महिला आरक्षण विधेयक पारित करने की मांग की गयी ताकि संसद तथा विधानसभाओं में महिला सदस्यों की संख्या बढ़ सके। इसके साथ ही सांसदों ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं को अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया। भाजपा की सरोज पांडे ने कहा कि सरकार के प्रयासों से कई स्थानों पर महिला और पुरूष के अनुपात में सुधार हुआ है। सोनल मान सिंह ने कहा कि जनसंख्या में महिलाओं की संख्या आधे से अधिक है लेकिन वे अधिकार से वंचित हैं। उन्होंने महिला दिवस की तर्ज पर अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाए जाने का भी सुझाव दिया। शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि कोविड-१९ महामारी और लॉकडाउन के कारण महिलाओं पर सबसे ज्यादा भार बढ़ा और उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा आदि के साथ ही घरेलू मोर्च पर भी अधिक कार्यभार का सामना करना पड़ा। उन्होंने संसद व विधानसभाओं में महिलाओं के लिए ५० प्रतिशत आरक्षण की मांग की।

राकांपा की फौजिया खान ने कहा कि महिलाएं हमेशा सेवा क्षेत्र में आगे रही हैं चाहे वह रेड क्रॉस हो या प्लेग महामारी। उन्होंने कहा कि निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाए जाने की जरूरत है। कांग्रेस की अमी याज्ञनिक ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में महिलाओं को यह जानकारी नहीं है कि महिलाओं के लिए कोई अंतरराष्ट्रीय दिवस भी मनाया जाता है। उन्होंने महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा उठाए गए कदमों का जिक्र किया और कहा कि उनके प्रयासों से पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी। भाजपा की सीमा द्विवेदी ने कहा कि महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में देश का सम्मान बढ़ाया है।

मध्य प्रदेश की एक दिन की गृह मंत्री बनी कांस्टेबल मीनाक्षी

भोपाल ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सिपाही मीनाक्षी वर्मा को मध्य प्रदेश का एक दिन की गृह मंत्री बनाया गया। महिला सिपाही मीनाक्षी गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के निवास कार्यालय पर सुरक्षा व्यवस्था में तैनात है। उन्हें गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने अपनी सीट पर बैठाया। मीनाक्षी ने नरोत्तम मिश्रा की तरह जनता की समस्या को सुनकर ओएसडी को कार्रवाई के दिशा-निर्देश दिए। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने महिला सिपाही मीनाक्षी वर्मा को सम्मानित किया। यह सम्मान मीनाक्षी वर्मा के लिए सबसे बड़ा था। क्योंकि महिला दिवस उनके लिए इस तरह यादगार दीं बनेगा यह उन्होंने नहीं सोचा भी था। जब उन्हें पता चला कि आज उन्हें एक दिन के लिए नरोत्तम मिश्रा की तरह काम करने का मौका मिलेगा तो वह हैरान रह गईं।

मीनाक्षी वर्मा ने जनता की समस्याओं को सुना और ओएसडी एडीजीपी अशोक अवस्थी को निराकरण के लिए निर्देशित किया। रोजाना की तरह गृह मंत्री के बंगले पर कई लोग अपनी अलग-अलग समस्याओं को लेकर पहुंचे थे। आज जब नरोत्तम मिश्रा सीट पर नहीं थे तो लोग भी हैरान रह गए। गृह मंत्री की सीट पर महिला कॉन्सटेबल को देखकर वे चौंक गए। हालांकि जब उन्हें पता चला कि आज नरोत्तम मिश्रा की जगह महिला कॉन्स्टेबल उनका काम करेंगी तो वे नॉर्मल हुए।

इसके बाद लोगों ने अपनी समस्याओं को मीनाक्षी को बताया। मीनाक्षी ने भी होम मिनिस्टर की तरह शिकायतों को सुना और उन शिकायतों पर कार्रवाई के लिए ओएसडी अवस्थी को निर्देश दिए। इस दौरान नरोत्तम मिश्रा आमजन की तरह कुर्सी पर बैठे हुए थे। जो शिकायतें मीनाक्षी के पास से फॉरवर्ड हो कर आ रही थीं उन्हें देख भी रहे थे।

प्रदर्शन में भारी संख्या में पहुंची पंजाब, हरियाणा की महिलाएं

नई दिल्ली ।

तीन कृषि कानूनों को लेकर दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का धरना प्रदर्शन जारी है। सोमवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका नजर आई। हरियाणा और पंजाब से काफी संख्या में महिलाएं टीकरी बॉर्डर पर पहुंची और आंदोलन में शामिल हुई। इस प्रदर्शन में अभिनेत्री सोनिया मान भी शामिल हुई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने उत्पीड़न के खिलाफ हमेशा आवाज उठानी चाहिए। दुनिया भर में आज महिला दिवस मनाया जा रहा है। ऐसे दिनों पर हम लोगों को कोई न कोई प्रतिज्ञा लेनी चाहिए और उस पर काम करना चाहिए। मालूम हो कि बीते १०० दिनों से अधिक किसानों का आंदोलन चल रहा है। अपनी मांगों को लेकर ये किसान धरना देकर प्रदर्शन पर बैठे हुए हैं। २६ जनवरी को हुए उपद्रव के बाद से आंदोलन थोड़ा हल्का पड़ा था मगर अब किसानों को इससे जोड़ने के लिए तमाम राज्यों में महापंचायत भी की जा रही है और किसानों को जोड़ा जा रहा है। गांव से एक किसान एक ट्रैक्टर और १० दिन का समय मांगा जा रहा है जिससे आंदोलन को मजबूती मिली रहे। अब किसान गर्मी से निपटने की तैयारी कर रहे हैं।

उसके लिए प्रदर्शन स्थलों पर झोपड़ियां आदि बनाई जा रही है। टीकरी बॉर्डर पर महिलाएं प्रदर्शन कर रही हैं। इस कारण आसपास के मेट्रो स्टेशनों पर भी इसका असर पड़ा है। सुरक्षा की दृष्टि से डीएमआरसी की ओर से बहादुरगढ़ के सभी मेट्रो स्टेशनों को बंद कर दिया गया है। दिल्ली मेट्रो की ओर से ग्रीन लाइन पर टीकरी बॉर्डर से लेकर ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन तक के सभी स्टेशन बंद कर दिए गए हैं। इसमें बहादुरगढ़ के तीन यानी ब्रिगेडियर होशियार सिंह, बहादुरगढ़ सिटी व पंडित श्रीराम मेट्रो स्टेशन तथा दिल्ली के टीकरी बॉर्डर मेट्रो स्टेशन बंद किए गए है। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन की ओर से सुबह करीब सवा १० बजे अचानक बहादुरगढ़ के सभी मेट्रो स्टेशनों समेत दिल्ली सीमा में लगने वाली टीकरी बॉर्डर मेट्रो स्टेशन को भी बंद कर दिया गया।

होली के पहले बजट सत्र खत्म होने की संभावना

नई दिल्ली ।

संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत सोमवार को हुई। राज्यसभा में पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों को लेकर विपक्ष ने खूब हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही कुछ ही घंटे चल सकी। इस बीच पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर नेताओं ने सत्र को जल्द खत्म करने की मांग भी की। साथ ही मंगलवार से सदन की कार्यवाही का समय भी बदल दिया गया और सुबह ११ बजे से शाम ६ बजे तक का कर दिया गया।

बता दें की संसद में हुए बिजनेस एडवाइजरी कमिटी की बैठक के दौरान तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने उच्च सदन की कार्यवाही जल्द खत्म करने की मांग की। इसका समर्थन अन्य चुनावी राज्यों की पार्टियों ने भी किया लेकिन बीजद, राजद व समाजवादी पार्टी समेत कईयों ने इसपर आपत्ति जताई।

राज्यसभा की कार्यवाही के लिए मंगलवार से निर्धारित किए गए समय की जानकारी देते हुए सांसद वंदना चव्हाण ने बताया, 'विभिन्न पार्टी के सांसदों की ओर से आग्रह के मद्देनजर मंगलवार से राज्यसभा की कार्यवाही का समय सुबह ११ बजे से शाम ६ बजे तक कर दिया गया है। इस दौरान सदन के सदस्य राज्यसभा में और गैलरी में बैठेंगे। आज सदन में पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों पर चर्चा करने की मांग को लेकर कांग्रेस के हंगामे के बाद राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित हो गई। बता दें कि विपक्ष के हंगामे की वजह से पहले सदन को दोपहर १.३० बजे तक स्थगित किया गया था। इसके पहले विपक्ष के हंगामे के कारण ११ बजे तक फिर दोपहर १ बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही को स्थगित किया गया था। आज विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने सदन में कहा, पेट्रोल और डीजल की कीमतें १०० रुपये प्रति लीटर और ८० रुपये प्रति लीटर है। रुक्क की कीमतें भी बढ़ गई हैं। एक्साइज ड्यूटी/सेस लगाने से २१ लाख करोड़ की राशि जमा हुई इसके कारण किसानों समेत पूरा देश मुश्किलों का सामना कर रहा है। कार्यवाही की शुरुआत के साथ ही सदन के अध्यक्ष वेंकैया नायडू ने कहा, राज्यसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर मल्लिकार्जुन का स्वागत करता हूं। वे देश में लंबे समय तक काम करने वाले नेताओं में से एक हैं। उन्होंने कहा, मैं सभी सदस्यों से सदन में उपस्थित रहने की अपील करता हूं, ताकि यहां होने वाले डिबेट में हिस्सा लेकर वो अपने ज्ञान को बढ़ाएं।

इससे पहले सोमवार, ८ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर सदन के अध्यक्ष ने कहा कि आज का दिन दुनिया भर में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक योगदान व उपलब्धियों को मनाने और उन्हें सम्मानित करने का दिन है। भारतीय जनता पार्टी की सांसद सोनल मानसिंह ने सदन में अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाने की भी मांग की।

सदन के अध्यक्ष ने कहा,संसद की लाइब्रेरी इस साल अपने १०० साल पूरे करेगी, इसमें १४ लाख किताबें और सैकड़ों जर्नल हैं। मुझे बताया गया है? कि संसद की लाइब्रेरी में जाने वाले सांसदों की संख्या काफी संतोषजनक नहीं है। मैं सांसदों से लाइब्रेरी का प्रभावी इस्तेमाल करने की अपील करता हूं।

सार समाचार

गाजियाबाद के दो मेट्रो स्टेशनों पर महिलाओं के लिए मुफ्त ई-रिक्शा सेवा

गाजियाबाद(उप्र)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सोमवार को एक कंपनी गाजियाबाद में दो मेट्रो स्टेशन पर महिला यात्रियों को मुफ्त ई-रिक्शा सेवाएं प्रदान करेगी। ई-रिक्शा निर्माण कंपनी ओम बालाजी ऑटोमोबाइल इंडिया के मालिक विकास देशवार ने कहा कि मोहन नगर और मेजर मोहित शर्मा राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशनों पर 20 ई-रिक्शा उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने एक बयान में कहा, कोई भी देश महिलाओं के योगदान के बिना प्रगति के पथ पर आगे नहीं बढ़ सकता। आज हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। देश के लिए महिलाओं का योगदान अतुलनीय है।

दिल्ली से सटी हरियाणा की सीमाओं पर विभिन्न कारणों से 68 लोगों की हुई मौत: अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने सोमवार को यहां विधानसभा में कहा कि केन्द्र के कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली से सटी राज्य की सीमाओं पर प्रदर्शन के दौरान विभिन्न कारणों से 68 लोगों की मौत हुई है। दो कांग्रेस विधायकों द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, विज ने कहा कि इनमें से 21 हरियाणा के थे जबकि 47 पंजाब के निवासी थे। उन्होंने बताया कि 18 फरवरी तक इनमें से 51 लोगों की मौत स्वास्थ्य कारणों से हुई जबकि 15 की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई और दो ने आत्महत्या की। विज ने सदन को बताया कि अब तक हरियाणा से मृत प्रदर्शनकारियों के परिजनों को नौकरी और वित्तीय सहायता देने के लिए राज्य सरकार के विचारार्थ कोई प्रस्ताव नहीं है। कांग्रेस के दो विधायकों आफताब अहमद और इंदु राज नरवाल ने यह सवाल उठाया था। उन्होंने दिल्ली के साथ लगती राज्य की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन में मरने वाले किसानों की संख्या बताये जाने की मांग की थी। विधायकों ने हरियाणा और अन्य राज्यों से मृत किसानों की संख्या पूछी थी। विधायकों ने यह भी पूछा था कि क्या सरकार उनके परिजनों को सहायता प्रदान करने के किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है। गौरतलब है कि केन्द्र के तीन नये कृषि कानूनों को निरस्त किये जाने की मांग को लेकर किसान दिल्ली की सीमाओं सिंघू बॉर्डर, टीकरी बॉर्डर और गाजीपुर बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे हैं।

फारूख अब्दुल्ला का सवाल, जब भाजपा धारा 370 खत्म कर सकती है फिर...

जम्मू। आज पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर संसद में भी महिला सांसदों को बोलने का मौका दिया गया। इन सबके बीच जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने भाजपा से बड़ा सवाल किया है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक फारूख अब्दुल्ला ने कहा कि आज क्क्क्क वालों के पास बहुमत है। कई सालों से पार्लियामेंट में महिला सशक्तिकरण का बिल पड़ा हुआ है। ये क्यों नहीं पास करते? जब ये कृषि बिल, धारा 370 को खत्म कर सकते हैं। जब हमारी बहनें चाहती हैं कि यह बिल पास हो तो ये बिल क्यों नहीं पास कर सकते हैं?

इससे पहले फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि आज भारत सरकार का सबसे बड़ा फर्ज है कि महिला सशक्तिकरण बिल पास होना चाहिए। ये ही सबसे बड़ी चीज होगी जो हम अपनी माताओं और बहनों के लिए कर सकते हैं। दूसरी ओर शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि 24 साल पहले हमने संसद में महिलाओं के लिए 33ब आरक्षण की प्रस्ताव रखा था। 24 साल बाद भी हमें संसद और विधानसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 50प्रतिशत कर देना चाहिए।

बटला हाउस एनकाउंटर मामले में इंडियन मुजाहिद्दीन का आतंकी आरिज खान दोषी करार

नयी दिल्ली। बाटला हाउस एनकाउंटर मामले में दिल्ली की साकेत अदालत ने अपना फैसला सुनाया है। हालांकि अभी सजा का ऐलान नहीं किया गया है। बता दें कि अदालत ने इस मामले में इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकी आरिज खान को दोषी करार दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बाटला हाउस एनकाउंटर मामले में अदालत आरिज खान को 15 मार्च को सजा सुनाएगी। साल 2008 में बाटला हाउस एनकाउंटर के बाद से आरिज खान फरार चल रहा था जिसे 2018 में नेपाल से गिरफ्तार किया गया था। इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकी आरिज खान पर राजधानी दिल्ली समेत देश के कई और राज्यों में बॉम ब्लास्ट करने का आरोप है। बताया जाता है कि 13 सितंबर 2008 को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, जयपुर और अहमदाबाद में जो धमाके हुए थे उनमें आरिफ खान शामिल था और इन धमाकों में करीब 165 लोगों की मौत हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन धमाकों के कुछ दिन बाद बाटला हाउस में इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। जिसके बाद पुलिस की स्पेशल सेल मौके पर पहुंची और फिर एनकाउंटर हुआ। इसमें इंस्पेक्टर मोहन शर्मा शहीद हो गए थे। एनकाउंटर के बाद से आरिज खान फरार चल रहा था जिसे दिल्ली की साकेत अदालत ने दोषी ठहराया है।

योगी आदित्यनाथ का बयान, नेपाल में माओवाद के रूप में दिखा अपनों के साथ भेदभाव का परिणाम

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर नहीं चलने के दुष्परिणामों का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि समाज जब भी अपनों के साथ भेदभाव करता है तो नेपाल में माओवाद की तरह उसका एक विकृत रूप देखने को मिलता है। मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समावेशी विकास का जिक्र किया और कहा, समाज जब भी अपनों से भेदभाव करता है तो उसका एक विकृत रूप देखने को मिलता है जो नेपाल में माओवाद के रूप में देखने को मिला। योगी ने थारू समुदाय का जिक्र करते हुए कहा, थारू समुदाय आजादी के बाद भी शासन की सुविधाओं से वंचित था।

भारत में रह रहे इस समुदाय तक केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाएं पहुंचने लगीं तो वह राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ कर अपना योगदान करने लगा। लेकिन यही समुदाय नेपाल में जाकर माओवादी बन जाता है और वहां की व्यवस्था को तहस-नहस करता हुआ दिखाई देता है। मुख्यमंत्री ने समावेशी विकास सुनिश्चित करने के अपनी सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा, हमने लखीमपुर खीरी में एक जिला, एक उत्पाद योजना के तहत थारू जनजाति द्वारा बनाए गए उत्पादों को भी इस योजना का हिस्सा बनाया और मुझे प्रसन्नता है कि आज उन्हें राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्धि मिली है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर सभी को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, जिस समाज ने मातृशक्ति को इतना सम्मान दिया है, उसमें आधी आबादी के साथ भेदभाव और बर्बरता क्यों हो रही है, यह प्रश्न हम सबके सामने हमेशा मुंह बाए खड़ा रहता है।

उन्होंने कहा, इसीलिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की जब बात आती है तो हम जैसे भारतीयों के बारे में यह सवाल खुद ही खड़ा होता है कि क्या महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों की औपचारिकता निभाकर हम समस्याओं का समाधान निकाल पाएंगे? मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा तथा उनके उत्थान के लिए अनेक काम किए हैं। 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम भी इन्हीं कोशिशों का हिस्सा है। उन्होंने कहा, हमने जब 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम शुरू किया था तब शारदीय नवरात्र थी। यानी नारी शक्ति की प्रतीक जगत जननी मां भगवती दुर्गा के अनुष्ठान का कार्यक्रम।

उद्धव ठाकरे ने दी महिलाओं को महिला दिवस की बधाई, 'कोविड-19 योद्धा' की सराहना की

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को कहा कि वैश्विक महामारी के दौरान 'कोविड-19 योद्धाओं' के तौर पर काम करने वाली महिलाओं के साहस और योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक वीडियो संदेश में ठाकरे ने कहा कि महामारी का खतरा अभी खत्म नहीं हुआ है और बीते एक वर्ष में अपने परिवारों के लिए महिलाएं चट्टान की तरह मजबूती से खड़ी रहीं और उन्होंने विभिन्न जिम्मेदारियों को साहसपूर्वक निभाया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''उन्हें (महिलाएं) सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा कि महामारी और उसके कारण लगे लॉकडाउन से प्रभावित अपने परिवारों की मदद के लिए महिलाएं 'कोविड-19 योद्धाओं' के बतौर सबसे आगे रहीं। ठाकरे ने कहा, ''उनके साहस और योगदान को कभी भुलाया नहीं जाएगा।'' उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र 'महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित स्थान है' और उनकी सरकार इसे और सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''आज का दिन महिलाओं को सलाम करने का है जो हमारे जीवन के हर चरण में साहसपूर्ण तरीके से खड़ी रहीं।'' ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र के पास जीजाबाई, अहिल्यादेवी, तारा रानी और सावित्री बाई फुले जैसी वीर, समाज सुधारक एवं बुद्धिमान महिलाओं की महान विरासत है। उन्होंने कहा, ''हम केवल इन महिलाओं को ही नहीं बल्कि आज की पीढ़ी की उन महिलाओं को भी सलाम करते हैं जो उनकी विरासत को आगे ले जा रही हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि पर राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, कार्यवाही बाधित

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

राज्यसभा में सोमवार को कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सदस्यों ने विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि को लेकर हंगामा किया जिसके कारण उच्च सदन की बैठक बाधित हुयी और चार बार के स्थगन के बाद अंततः पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गयी। सभापति एम वेंकैया नायडू ने शून्यकाल में कहा कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडगे की ओर से नियम 267 के तहत कार्यस्थगन नोटिस मिला है जिसमें उन्होंने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर चर्चा का अनुरोध किया है। नियम 267 के तहत सदन का सामान्य कामकाज स्थगित कर किसी अत्यावश्यक मुद्दे पर चर्चा की जाती है।

नायडू ने कहा कि उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया है क्योंकि सदस्य मौजूदा सत्र में विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान एवं अन्य मौकों पर इस संबंध में अपनी बात रख सकते हैं। हालांकि नायडू ने नेता प्रतिपक्ष को सदन में इस मुद्दे का उल्लेख करने की अनुमति दी।खड़गे ने पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की कीमतों में खासी वृद्धि होने का जिक्र करते हुए इसे ज्वलंत विषय बताया तथा इस संबंध में चर्चा कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि पूरे देश में लोग पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि को लेकर आंदोलित हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि पेट्रोल की कीमतें लगभग 100 रुपये प्रति लीटर तक हो गई हैं, जबकि डीजल की कीमत 80 रुपये प्रति लीटर से अधिक हो गयी है। उन्होंने इसी प्रकार रसोई गैस(एलपीजी) की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। खडगे ने कहा कि सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क और अन्य कर लगा कर 21 लाख करोड़ रुपये एकत्र किए हैं जबकि कीमतों में वृद्धि के कारण किसान और आम लोग परेशान हैं।

कांग्रेस नीत विपक्ष इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करता रहा। लेकिन सभापति नायडू ने इस पर चर्चा की अनुमति नहीं दी और सदन में प्रश्नकाल शुरू कराया। इस दौरान विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा और कुछ सदस्य आसन के समीप भी आ गए। सदन में हंगामा थमते नहीं देख सभापति ने करीब 10 बजे बैठक सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। एक बार के स्थगन के बाद 11 बजे बैठक शुरू होने पर भी विपक्ष ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर चर्चा की मांग दोहरायी। लेकिन उपसभापति हरिवंश ने कहा कि सभापति ने पहले ही इस संबंध में अपनी व्यवस्था दे दी है और उस पर पुनर्विचार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सदस्यों को विभिन्न मंत्रालयों के कामकाज और विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान सदस्यों को अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा। इस पर नेता प्रतिपक्ष खडगे ने कहा कि यह ऐसा मुद्दा है जिसे टाला नहीं जा सकता।

उपसभापति ने सदस्यों से शांत रहने और सदन का कामकाज चलने देने की अपील की। लेकिन इसका असर नहीं होते देख उन्होंने 11 बजकर करीब पांच मिनट पर बैठक दोपहर एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दो बार के स्थगन के बाद दोपहर एक बजे बैठक फिर शुरू होने पर भी कार्यवाही 15-15 मिनट के लिए दो बार स्थगित की गयी। दोपहर 01ः30 बजे पीठासीन उपसभापति वंदना चव्हाण ने घोषणा की कि मंगलवार से उच्च सदन की बैठक अपने सामान्य समय के अनुसार पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होगी और शाम छह बजे तक चलेगी। उन्होंने कहा कि सभापति नायडू ने विभिन्न दलों के सदस्यों के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया है। वंदना चव्हाण ने इस घोषणा के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी।

कांग्रेस का केंद्र सरकार पर आरोप, संसद में महंगाई के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार नहीं है सरकार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के मुद्दे पर संसद में चर्चा करने के लिए तैयार नहीं है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी कहा कि कांग्रेस महंगाई के मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए सरकार पर दबाव बनाती रहेगी। उन्होंने संसद भवन के बाहर संवाददाताओं से कहा, ''राज्यसभा में हमने नियम 267 के तहत नोटिस देकर कहा था कि देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतें दिन-प्रतिदिन बढ़ रही हैं और इससे आम लोगों को बहुत परेशानी हो रही है, ऐसे में इस पर चर्चा हो।''

खड़गे के मुताबिक, कांग्रेस की सरकार के समय अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 109 डॉलर प्रति बैरल थी तो उस वक्त 71 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल मिल रहा था। अब कच्चे तेल की कीमत 65 डॉलर प्रति बैरल है तो पेट्रोल करीब 100 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। उन्होंने दावा किया, ''पेट्रोलियम उत्पादों के दाम बढ़ाकर मोदी सरकार ने पिछले साढ़े छह साल में 21 लाख करोड़ रुपये कमाये हैं। हमारा सवाल है कि इस रकम का कहां इस्तेमाल किया गया? यह सरकार अमीरों का कर्ज माफ कर रही है। लेकिन गरीबों और मध्य वर्ग पर बोझ बढ़ता चला जा रहा है।''

उन्होंने कहा, ''हम इन मुद्दों पर सदन में चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन सरकार इसके लिए तैयार नहीं है। हम चाहते हैं कि इन मुद्दों को उठाने और चर्चा के लिए समय दिया जाए।'' कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा, ''महंगाई के कारण किसानों को भी गहरी चोट लगी है। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया गया था, लेकिन डीजल के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया कि आंदोलन कर रहे किसानों के बारे में इस सरकार ने एक शब्द नहीं बोला है। हुड्डा ने आरोप लगाया कि सरकार को किसानों की चिंता नहीं है जिससे किसानों में बहुत आक्रोश है।

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण के मुद्दे पर राज्यों से मांगा जवाब, 15 मार्च से होगी सुनवाई

नयी दिल्ली।। (एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय ने राज्यों से इस 'अति महत्वपूर्ण' सवाल पर जवाब मांगा कि क्या विधायिका किसी विशेष जाति को आरक्षण देने के लिए सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा घोषित करने में सक्षम है। उच्चतम न्यायालय राष्ट्रपति द्वारा तैयार की गई सूची में नामित एक विशेष समुदाय को आरक्षण देने संबंधी संविधान के 102वें संशोधन की व्याख्या के सवाल पर विचार करेगा। संविधान के 102वें संशोधन की व्याख्या का मुद्दा मराठा आरक्षण कानून की वैधता पर याचिकाओं पर गौर करते समय पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष उठा था और कानूनी मुद्दा यह है कि क्या किसी राज्य की विधायिका किसी विशेष जाति को आरक्षण देने के लिए सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े घोषित करने में सक्षम है।

न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर भी दलीलें सुनेगी कि क्या इंदिरा साहनी मामले में 1992 में आए ऐतिहासिक फैसले, जिसे 'मंडल फैसला' के नाम से जाना जाता है, उस पर पुनः विचार करने की आवश्यकता है। उच्चतम न्यायालय ने 1992 में अधिवक्ता इंदिरा साहनी की याचिका पर ऐतिहासिक फ़ैसला सुनाते हुए जाति-आधारित आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत तय कर दी थी। पीठ में न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति आर रवीन्द्र भट्ट शामिल हैं। पीठ ने कहा कि वह अगले सोमवार से सुनवाई शुरू करेगा। पीठ ने राज्यों से इस मुद्दे पर लिखित जवाब दाखिल करने को कहा। उसने कहा, ''प्रत्येक राज्य के स्थायी वकील को नोटिस दिये जायेंगे।'' महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं मुकुल रोहतगी, कपिल सिब्बल और पी एस पटवालिया की उस दलील पर पीठ ने गौर किया कि 102 वें संशोधन की व्याख्या के सवाल पर फैसला राज्यों के संघीय ढांचे को प्रभावित कर सकता है और इसलिए, उन्हें सुनने की जरूरत है। केन्द्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने कहा कि 102 वें संशोधन की व्याख्या पर अदालत के फैसले से राज्य प्रभावित हो सकते हैं और यह बेहतर होगा कि सभी राज्यों को नोटिस जारी किए जाएं।उच्चतम न्यायालय ने पांच फरवरी को कहा था कि शिक्षा एवं नौकरियों में मराठा समुदाय को आरक्षण देने से संबंधित महाराष्ट्र के 2018 के कानून को लेकर दाखिल याचिकाओं पर वह आठ मार्च से अदालत कक्ष के साथ ही ऑनलाइन सुनवाई शुरू करेगा। मामले की सुनवाई की तारीख तय करने वाली पीठ ने कहा था कि वह 18 मार्च को मामले की सुनवाई पूरी कर लेगी। पिछले साल नौ दिसंबर को शीर्ष अदालत ने कहा था कि महाराष्ट्र के 2018 के कानून से जुड़े मुद्दों पर ''अविलंब सुनवाई'' की जरूरत है क्योंकि कानून स्थगित है और लोगों तक इसका 'फायदा' नहीं पहुंच पा रहा है। नौकरियों और दाखिले में मराठा समुदाय के लोगों को आरक्षण प्रदान करने के लिए सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग (एसईबीसी) कानून, 2018 को लागू किया गया था।

तृणमूल कांग्रेस को अलविदा कहने की लगी होड़ ! अब 5 विधायकों ने ली भाजपा की सदस्यता

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तृणमूल कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं की छड़ी लगी हुई है। तृणमूल कांग्रेस विधायक सोनाली गुहा समेत पांच विधायकों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। बता दें कि इन नेताओं को प्रदेश भाजपा प्रमुख दिलीप घोष, नंदीग्राम से चुनाव लड़ रहे शुभेंदु अधिकारी और वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय की उपस्थिति में भाजपा में शामिल कराया गया।

तृणमूल विधायक सोनाली गुहा, दीपेंदु बिस्वास, रवींद्रनाथ भट्टाचार्य, जटू लहिरी और सरला मुर्मू ने भाजपा का दामन थाम लिया है। इन नेताओं में सबसे चौंका देने वाला नाम सरला मुर्मू का है। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस ने सरला मुर्मू को हबीबपुर से अपना उम्मीदवार बनाया था लेकिन बाद में उनके स्थान पर पार्टी ने दूसरे उम्मीदवार को खड़ा किया। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा था कि सरला मुर्मू की तबीयत सही नहीं है। जबकि सरला मुर्मू को हबीबपुर से चुनाव लड़ना पसंद नहीं था।

टिकट नहीं मिलने भाजपा में आए भट्टाचार्य

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने 5 मार्च दिन शुक्रवार को दोपहर 2 बजे 291 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। हालांकि उन्होंने 80 साल से अधिक उम्र के नेताओं को टिकट नहीं दिया। जिसके बाद रवींद्रनाथ भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस को अलविदा कहा और भाजपा के साथ आ गए। आपको बता दें कि भट्टाचार्य सिंगूर से तृणमूल का प्रतिनिधित्व करते थे और वह ममता सरकार में मंत्री भी थे।

देश के 50 धार्मिक स्थलों में शामिल महाकाल मंदिर भी अब बनेगा चाईल्ड फेंडली

उज्जैन। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने बृहस्पति भवन में आयोजित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग उज्जैन परिक्षेत्र में बाल भिक्षावृति, बाल श्रम, बाल शोषण की रोकथाम हेतु विभिन्न स्टेक होल्डर्स की बैठक प्रातः 11 बजे ली गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य स्ट्रीट चिल्ड्रन प्लान के तहत राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली की मंशानुसार उज्जैन के विशेषकर महाकाल मंदिर परिक्षेत्र को चाईल्ड फेंडली निर्मित करने हेतु देश के 50 धार्मिक स्थलों में से चयन किया गया है। जिसके यह सुनिश्चित किया जायेगा की कोई भी बालक-बालिका फुटपाथ पर न रहे। किसी भी बालक के परिवार को सहायता की आवश्यकता होने पर शासन के विभिन्न विभागों द्वारा चलायी जा रही योजनाओ से उसे जोड़ा जायेगा।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो द्वारा स्टेक होल्डर्स की बैठक को संबोधित करते हुए कहा गया कि सिंहस्थ-2016 के दौरान चाईल्ड फेंडली वातावरण का प्रारम्भ उज्जैन जिले से किया गया था। जिसकी तर्ज पर अन्य राज्यों में आयोजित मेले के दौरान चाईल्ड फेंडली पैटर्न को अपनाया गया। जिससे मिसिंग चाईल्ड के केस दर्ज नहीं हुए। बालक के संरक्षण एवं बालको के हित हेतु पारिवारिक व्यवस्था को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। आयोग द्वारा तैयार की गई एसओपी में सड़क पर रहने वाले बालको के बाल देखरेख संस्था में प्रवेश को अंतिम उपाय के रूप में मानने पर जोर दिया गया है। परिवार में ही बालक का सर्वोत्तम हित हो एवं भारत सरकार की विभिन्न योजना से परिवार को जोड़कर उन्हें सक्षम बनाया जा सकता है। इस हेतु आवश्यक है कि पहले आइडेंटिफिकेशन करें फिर मेपिंग की जाकर मेचिंग किया जाए कि किस योजना से लाभान्वित किया जा सकता है द्य यह सभी स्टेकहोल्डर्स का दायित्व है।

कलेक्टर आशीष सिह ने बताया कि संयुक्त टीम द्वारा निरंतर रेस्क्यू ओपरेशन किए जा रहे हैं। साथ ही उनका फॉलोअप भी किया जा रहा है एवं स्ट्रीट चिल्ड्रन प्लान के तहत जो भी आयोग द्वारा प्रोटोकाल जारी किये गये है। तदनुसार सम्बन्धित विभागों द्वारा एसओपी में जारी निर्देशों का पालन किया जाकर योजना क्रियान्वित की जायेगी। आयोग के तकनीकी विशेषज्ञ परेश शाह ने बैठक में बताया कि आयोग द्वारा बाल श्रम बाल दुर्व्यवहार एवं बाल भिक्षावृति विषय बालकों के अधिकारों का हनन एवं निराश्रित बालक एवं बाल अपराधों की घटना के बढ़ते हुए क्रम को देखते हुए विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के माध्यम से पर्यटन स्थलों में चाइल्ड फेंडली वातावरण निर्मित किया जायेगा। बैठक में एसपी सत्येन्द्र शुक्ल,एडीएम एवं प्रशासक महाकाल मंदिर नरेंद्र सूर्यवंशी भी उपस्थित थे।

आपको क्या करना होगा, तमाम तरह के सवाल आपके मन में उठते होंगे। लेकिन आपको चिंता करने की जरूरत नहीं। गर्भावस्था के बाद पहले जैसी चुस्तीं, फूर्ती पाने के लिए आप व्यायाम का सहारा ले सकती हैं। ऐसे कौन से व्यायाम हो सकते हैं, जो आपको फिट रख सकते हैं, आइए जानें उनके बारे में।

गर्भावस्था के बाद कसरत

- हर महिला चाहती है गर्भावस्था के बाद दोबारा से पहले की तरह,फिट होना । आइए कुछ ऐसे ही व्यायाम के बारे में जानें, जिनसे आप पहले जैसे फिट हो सकती हैं। किसी भी प्रकार के व्यायाम की शुरूवात से पहले यह बात ध्यान रखें कि आपको टहलने जैसे हल्के-फुल्के व्यायाम करने हैं । इसके बाद आप दस ऐसे व्यायाम कर सकते हो जिससे आप अपनी मांसपेशियों को तो मजबूत कर ही सकते हैं,साथ ही फिट और हेल्दी भी रह सकती हैं।

1. यह व्यायाम शुरू करने के लिए, सबसे पहले पीठ के बल लेट जांए और गहरी सांस लें। सांस इतनी गहरी हो कि पेट की मांसपेशियों पर बल पड़े। उसके बाद धीरे-धीरे सांस छोड़े। इस एक्सरसाइज को प्रसव के बाद के शुरूआती दिनों में लगातार करें।

2.पीठ के बल लेट जाएं पैरों को थोड़ा सा खोल कर रखें। धीरे-धीरे हाथों को ऊपर उठाएं लेकिन कोहनी मुडनी नहीं चाहिए। पैर भी जमीन पर टिकाये रखें । फिर दोनों हाथों को वापिस जमीन पर ले आएं। इस एक्स रसाइज को कई बार दोहराएं। इससे आपकी मांसपेशी खिचेंगी और मजबूत भी होंगी।

3.पीठ के बल लेट जाएं दोनों हाथों को साइड में रहने दें। धीरे-धीरे पैरों को उठाएं लेकिन पंजे और एडी को जमीन पर ही टिकाए रखें, कमर के हिस्से को भी उठाएं लेकिन हाथ और पैर नहीं उठने चाहिए।

4.पीठ के बल लेट जाएं। हाथों को पेट पर रखें और पंजों, एड़ियों को जमीन पर टिका दें फिर पेट पर बल देते हुए सर और घुटनों को ऊपर करें लेकिन पंजे और एड़ी जमीन पर ही रहेंगे।

5. पीठ के बल लेटकर दायें पैर को सीधा रहने दे और बांए पैर को उठाएं लेकिन ध्यान रखें आपके पंजे और एडी जमीन पर ही रहेंगे। हाथ को सीधा करते हुए घुटने तक ले जाएं लेकिन उसे टच न करें। साथ ही बांए ओर ही सर को ऊपर उठाएं और लेटें रहें। इसी एक्सरसाइज को अब दाएं पैर से करें।

6. पीठ के बल सीधे लेट जाएं। हाथों को साइड में रहने दें। और एक पैर को ऊपर उठाएं लेकिन पंजे-एड़ी जमीन पर रहने दें। पेट पर बल देते हुए पैरों को जितना ऊपर हो सकें उठाएं।

7. पीठ के बल सीधे लेटते हुए दोनों हाथों को सीधा रखें और एक पैर को बिना घुटना मोंड़े हवा में उठाए और बिना सिर उठाएं उसे जितना उठा सकते हैं उठाएं। यही एक्सरसाइज दूसरे पैर से भी करें।

8. सीधे लेट जांए और कोहनियों को तकिए के उपर रखें साथ ही बटक को ऊपर उठाकर पेट पर बल देते हुए गहरी-गहरी सांसे लें।

9. पीठ के बल सीधे लेटते हुए दोनों हाथों को सीधा रखें और दोनों पैरों को बिना घुटना मोंड़े हवा में उठाए और बिना सिर उठाएं उसे जितना उठा सकते हैं उठाएं।

10. पीठ के बल लेट जाएं और हाथों को सिर के नीचें रखें साथ ही पैरों को भी जमीन पर टिकाएं। पीठ के बल सीधे लेटे हुए पेट पर बल देते हुए पैरों करे जितना ऊपर उठा सकते हैं उठाएं। इन दस एक्सारसाइज को धीरे-धीरे करें और चंद दिनों में ही आप अपने आपको पहले जैसा फिट पाएं। लेकिन ध्यान रहें सभी एक्सरसाइज को डॉक्टर्स की सलाह पर ही करें।

रंग भरे नैना

कहते हैं कि हमारी आत्मा का रास्ता हमारी आंखों से होकर जाता है। खूबसूरत और अपने भीतर ढेर सारी जिज्ञासाओं को समेटी आंखों से बेहतर कुछ नहीं है। इसलिए सही आई-शैडो की मदद से अपनी आंखों को बनाएं और खूबसूरत!

आई शैडो लगाने के लिए हमेशा आई शैडो ब्रश का इस्तेमाल करें। आई शैडो लगाने के लिए उसके साथ एक फोम भी आता है, उसका इस्तेमाल कभी न करें। वह आपके आई मेकअप को आसानी से बिगाड़ सकता है। और कभी भी अपना आई मेकअप किट किसी के साथ शेयर नहीं करें। अगर आप हल्के रंगों के आई शैडो जैसे ब्लू, लाइट ग्रीन या लाइट ग्रे आई शैडो लगा रही हैं, तो सबसे पहले आई लाइनर या आई शैडो पेंसिल की मदद से पलकों के ऊपर एक पतली लाइन खींच लें। अकसर हल्के शेड्स की आई शैडो के कारण हमारी आंखें छोटी दिखने लगती हैं। आई लाइनर लगा लेने से ऐसा नहीं होगा।

आई शैडो लगाते वक्त सबसे पहले हल्के रंग की आई शैडो को आंखों के ऊपरी हिस्से पर पूरी तरह से लगाएं। मीडियम शेड को निचले हिस्से में और डार्क शेड की आई शैडो को हमेशा आंखों के किनारे वाले हिस्से में लगाएं।

ड्रामेटिक आई मेकअप के लिए डार्क शेड का इस्तेमाल ज्यादा कर सकती हैं। अपने आई शैडो के रंगों को आपस में अच्छी तरह से मिलाएं ताकि आपकी आंखें दूर से ही नजर आ सकें।

क्योंकि रहना है आपको भी अपडेट

जमाने के साथ चलना है, तो कंप्यूटर से दोस्ती जरूरी है। घरेलू महिलाएं भी कंप्यूटर की इस जरूरत को समझ चुकी हैं, तभी तो वो अपनी जिंदगी को कंप्यूटर के माध्यम से और आसान बना रही हैं। इसकी वजह यह थी कि आज बहुत दिनों के बाद उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अमेरिका में रहने वाले अपने बेटे से बात की थी। मिसेज मेहरा ही नहीं, बल्कि आज वो तमाम महिलाएं कंप्यूटर और इंटरनेट की जानकारी का लाभ लाभ उठा रही हैं, जिन्होंने समय की बहती धारा के साथ चलने में ही अपनी भलाई समझी। जिन महिलाआ न वक्त की नजाकत को समझते हुए कंप्यूटर और इंटरनेट सीखकर आधुनिक तकनीक को अपना दोस्त बनाकर चलना शुरू किया, उनको इसका लाभ जरूर हुआ है। आज से दस साल पहले तक महिलाओं को अपनों का हालचाल जानने के लिए टेलीफोन और पत्र-व्यवहार पर ही निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन आज फेसबुक और ट्विटर पर अपना अकाउंट खोलकर वे आसानी से अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के संपर्क में हैं। इंटरनेट के जरिये आज सैकड़ों किलोमीटर की दूरियां मिट गई हैं और महिलाएं इसका बखूबी लाभ उठा रही हैं। दिल्ली के एक सरकारी फर्म में काम कर रहीं अंशिका भाटिया को अपने बेटे की शादी के लिए रिश्ते ढूंढ़ने में मुश्किल आ रही थीं। लेकिन अब वो मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स के जरिये आसानी से अपने बेटे के लिए रिश्ता ढूंढ़ रही हैं। कई महिलाएं इंटरनेट के माध्यम से अपनी हुनर को पूरा दुनिया क सामन ला रहा ह। काइ अपना ब्लाग या वेबसाइट बनाकर अपनी रसोई से टेस्टी रेसिपी को वहां शेयर कर रही हैं, तो कोई तरह-तरह के वेबसाइट से रेसिपी की विधि जानने और उसे आजमाने की कोशिश में लगी हुई हैं। कई घरेलू महिलाएं घर पर ही कंप्यूटर सीखकर बिजनेस के काम में अपने पति का हाथ बंटाने लगी हैं। नमिता उपाध्याय का कहना है कि वो घर पर बैठकर कर ही वीडियोग्राफी और शादी के कार्ड की छपाई और उनकी एडिटिंग के काम में अपने पति की मदद करती हैं। इंटरनेट और कंप्यूटर से दोस्ती करने में इन महिलाओं की मदद उनके बच्चे भी कर रहे हैं। भला कौन बच्चा नहीं चाहेगा कि उसकी मां हर चीज में माहिर हो।

रसोई को रखें साफ यह है आपकी राजदार

हर दिन अपनी रसोई में आप कुछेक घंटे तो जरूर बिताती होंगी। टेस्टी आलू दम बनाने से लेकर जायकेदार मटर-पनीर बनाने की आपकी रेसिपी का राज आपके अलावा आपकी रसोई को ही तो पता है! तो अपनी इस राजदार की हाइजीन का भी खास खयाल आपको ही रखना होगा। कैसे रखें रसोई को साफ-सुथरा बता रही हैं

1. बर्तनों को धोने के बाद हमेशा सुखाकर रैक में रखें। इससे बर्तन खराब नहीं होंगे और उनसे बदबू भी नहीं आएगी। यदि रात को बर्तन साफ न कर पाएं तो उन्हें कम से कम पानी से जरूर धो दें।
2. अगर आप किचन में बिजली के उपकरणों का इस्तेमाल बहुत अधिक करती हैं तो इन उपकरणों के रख-रखाव का खास ख्याल रखें। इन्हें इस्तेमाल में लाने के बाद तुरंत सूखे कपड़े से झाड़-पोंछ कर रखें।
3. बिजली के उपकरणों को छोटे बच्चों की पहुंच से दूर रखें। 4. रसोई को कॉक्रोच आदि कीड़े-मकोड़े से दूर रखने के लिए हिट, लक्ष्मण रेखा का उपयोग करें।
5. यदि आप कामकाजी हैं और रोजाना इतनी सफाई नहीं कर पाती हैं तो छह महीने में एक बार किचन में पेस्ट कंट्रोल करवाएं।
6. रसोई की खिड़की में जाली जरूर लगवाएं, ताकि छिपकली या चूहे आपकी रसोई में अपना घर न बना सकें।
7. फिनाइल से रसोई की सफाई करें, चींटियां दूर रहेंगी।
8. वेंटीलेशन के लिए रसोई में चिमनी जरूर लगवाएं। रसोई की दीवारों में काले-काले निशान नहीं पड़ेंगे और धुंआ भी इकट्ठा नहीं होगा।
9. बर्तन साफ करने के लिए लोहे वाले जूने का प्रयोग न करें। इससे बर्तन पर निशान पड़ जाएगा।
10. रसोई में स्लैब और गैस आदि साफ करने के लिए कपड़े की जगह वाइप्स का इस्तेमाल करें। किचन में टिश्यू पेपर भी रखें ताकि दाग लगने पर उसे टिश्यू पेपर की मदद से आसानी से साफ किया जा सके। दाग जब सूख जाते हैं, तब उसे साफ करना बेहद मुश्किल भरा काम है।
11. किसी भी कंटेनर, जार या डिब्बे का इस्तेमाल करके उसे साथ ही साफ करें। महीने या हफ्ते में सफाई का इंतजार न करें। इससे आपकी रसोई भी हमेशा चमकती रहेगी और आपको एक साथ ढेर सारा काम भी नहीं करना पड़ेगा।
12. बर्तन साफ करने के लिए जुराब आदि का इस्तेमाल न करें। बर्तन साफ करने के लिए मार्केट में कई प्रोडक्ट उपलब्ध हैं, उनका इस्तेमाल करें। स्कॉच ब्राइट से इसके लिए बेहतर है।
13. रसोई के लिए अलग कूड़ेदान बनाएं। कूड़ेदान में हमेशा पॉलीथीन लगा कर रखें। इससे कूड़ा फेंकने में भी सुविधा होती है और कूड़ेदान गंदा भी नहीं होता।
14. माइक्रोवेव, फ्रिज, टोस्टर, मिक्सी आदि को स्विच ऑफ करके गीले कपड़े से साफ करें। नियमित सफाई न होने पर इन उपकरणों में से बदबू आने लगती है।

डाइनिंग टेबल को ऐसे सजाएं

चाहे आप डाइनिंग टेबल का इस्तेमाल करते हों या नहीं, लेकिन इसे हमेशा सजा कर रखना चाहिए। ऐसा करने से डाइनिंग टेबल तो सुंदर लगेगी ही, साथ ही आपका मूड भी ठीक रहेगा। डाइनिंग टेबल सजाने के लिए इन एक्सेसरीज का इस्तेमाल कर सकते हैं-

टेबल क्लॉथ

टेबल क्लॉथ डाइनिंग टेबल को सजाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। टेबल के खराब हिस्से को छुपाने के लिए यह अच्छा तरीका भी है। मून रिवर कि राधिका गुप्ता का कहना है की टेबल क्लॉथ दिलचस्प और अच्छे फैब्रिक का होना चाहिए। फैब्रिक में आप बनारसी सिल्क का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह सस्ता होने के साथ दिखने में भी प्रभावी लगता है। आप अपनी पसंद का फैब्रिक भी ले सकते हैं जैसे कि सिल्क, कॉटन, लिनेन, कॉटन पॉलिएस्टर इत्यादि।

रनर और मैट का करें इस्तेमाल

अगर आप नहीं जानते हैं की टेबल को पूरी तरह से कैसे ढका जाए तो रनर सबसे अच्छा विकल्प है। इस कपड़े मे महीन पट्टी होती है, जो टेबल के बीच में रहती है।

सेंटरपीस

यह टेबल के बीच में रखा जाता है। टेबल को और आकर्षित बनाने के लिए यह अच्छा विकल्प है।

संपादकीय

चांद की सैर

चांद हम इंसानों केलिए न केवल गहरे लगाव, बल्कि रोमांच का भी विषय है। आम तौर पर वैज्ञानिक और अंतरिक्ष यात्री ही बहुत प्रशिक्षण के बाद चांद तक पहुंच पाते हैं, बाकी लोगों के लिए ऐसी कोई गुंजाइश ही नहीं रहती। अब आम लोगों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं कि उनके लिए भी चांद तक पहुंचने का मौका उपलब्ध हो गया है। जापानी उद्यमी युसाकु मेजावा, जिन्होंने आठ लोगों को डियर मून मिशन के लिए ले जाने की घोषणा की थी, उन्हें महज तीन दिन में तीन लाख से अधिक आवेदन मिल चुके हैं। दिलचस्प यह कि उन्हें सबसे ज्यादा आवेदन भारतीयों की ओर से मिले हैं। यह पहला नागरिक चंद्रमा मिशन है, जिसकी आठ सीटों को मेजावा ने खरीद रखा है। पहले उनकी इच्छा केवल कलाकारों को सैर कराने की थी, लेकिन अब उन्होंने कलाकार की परिभाषा का विस्तार कर दिया है। उनका कहना है, जीवन में जो भी व्यक्ति कुछ नया सृजन कर रहा है, वह कलाकार है। जाहिर है, अब आम आवेदकों के सपनों को भी मानो पंख लग गए हैं। भारत ही नहीं, दुनिया के 237 से अधिक देशों-क्षेत्रों से चंद्र मिशन के लिए लालायित लोगों की संख्या चर्चा का विषय बन गई है। भारत के बाद अमेरिका, जापान, फ्रांस व ब्रिटेन के लोग भी चांद पर जाने को ज्यादा इच्छुक हैं। दरअसल, इस डियर मून प्रोजेक्ट को विख्यात उद्यमी और दुनिया के सबसे अमीर इंसानों में शुमार एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने वर्ष 2018 में पेश किया था। इस प्रोजेक्ट के तहत ही जापानी अरबपति मेजावा ने पहले यात्री के रूप में अपना नाम लिखवाया था। इतना ही नहीं, मेजावा ने इस मिशन की आठ सीटों को बाकायदे पैसे देकर खरीद रखा है। उन्होंने इसके लिए कितने पैसे खर्च किए हैं, इसका पता नहीं, लेकिन अरबों डॉलर में भुगतान हुआ हो, तो आश्चर्य नहीं। आम लोगों के लिए खास यह कि उन्हें मुफ्त में ही चांद की सैर का मजा मिलेगा। इस मिशन के तहत चांद तक पहुंचने और लौटने में तीन-तीन दिन लगेंगे व एक दिन चांद के पास रहना संभव होगा। ऐसे में, पूरे सप्ताह भर का ऐतिहासिक रोमांच पूरी दुनिया में छाया रहेगा। यदि स्पेसएक्स के अभियान में कोई अड़चन न आए, तो यह सपना वर्ष 2023 में साकार हो जाएगा। मेजावा की इच्छा स्वागतयोग्य है, वह चाहते हैं कि जो भी लोग इस मिशन पर जाएं, वे लौटकर दुनिया को बहुत अच्छी तरह से बताएं कि उन्होंने चांद के पास क्या देखा। यह अपने आप में बहुत उत्साह जगाने वाली बात है कि जो काम सरकारें नहीं कर पा रही हैं, उन्हें पूरा करने का बीड़ा दुनिया के एक-दो अमीर उद्यमी उठा रहे हैं। चांद के प्रति सरकारों का लगाव 40 साल पहले ही कम हो गया था। शीतयुद्ध के खत्म होने के बाद तो चांद पर पहुंचकर खुद को सिद्ध करने की जरूरत ही नहीं रही। फिर भी इस सदी में अंतरिक्ष पर्यटन की चर्चा लगातार होती रही है और उसमें भी एलन मस्क का सपना सबसे ज्यादा चर्चित है। एलन मंगल पर बस्ती बसाना चाहते हैं। आम लोगों को चांद पर पहुंचाना चाहते हैं, लेकिन यह काम कतई आसान नहीं है। अफसोस, इन दिनों स्पेसएक्स को अपने अभियानों में नाकामी ज्यादा मिल रही है। फिर भी तय है, एक दिन आम लोग भी चांद पर जरूर पहुंच सकेंगे, लेकिन इसके लिए कई उद्यमियों और वैज्ञानिकों को मिलकर काम करना पड़ेगा।

आज के ट्वीट

टीका

आज सरकारी अस्पतालों में कोरोना का फ्री टीका लगाया जा रहा है। प्राइवेट अस्पतालों में दुनिया में सबसे सस्ता यानि सिर्फ 250 रुपए का टीका लगाया जा रहा है:

-- पीएम

अश्लीलता पर नियंत्रण जरूरी

- प्रमोद भार्गव

'ओवर द टॉप' अर्थात ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्म एवं वेब सिरीजों पर दिखाई जा रही अश्लीलता चिंता का विषय है, अतएव इस पर नियंत्रण जरूरी है। यह बात सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कही। अदालत ने कहा कि 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहुसंख्यक लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता का हनन नहीं कर सकती है।' यह बात अदालत ने अमेजन प्राइम कमर्शियल की प्रमुख अपर्णा पुरोहित की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कही। दरअसल यह मामला तांडव वेब सिरीज से जुड़ा है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तांडव में आपत्तिजनक दृश्य और कथ्य को लेकर जो मामला दर्ज हुआ है, उसमें अपर्णा को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। इसे ही सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। लिहाजा जमानत याचिका खारिज करते हुए अदालत ने सवाल उठाया कि अश्लीलता दिखाने वाले सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जांच होनी चाहिए। इन पर नियंत्रण तो जरूरी है ही एक बोर्ड का भी गठन किया जाए, जो इन पर नियंत्रण के उपाय सुझाए। हालांकि अब ओटीटी पर नियंत्रण के लिए ऐसी व्यवस्था होगी, जिससे पालक अपने बच्चों के लिए ऐसी सिरीज प्रतिबंधित कर सकेंगे, जिनमें अश्लीलता परोसी जा रही है। आयु वर्ग के हिसाब से भी इन्हें बालक, किशोर एवं वयस्क श्रेणियों में बांटा जाएगा। जिससे जरूरत के हिसाब से इन पर नियमन संभव हो। मोबाइल व कंप्युटर पर इंटरनेट के खतरे का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। इंस्टाग्राम हो या फेसबुक या फिर गूगल ये सब विदेशी कंपनियां अकूत धन कमाने की तृष्णा में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से भारतीय बच्चों, किशोरों व युवकों को पोर्नोग्राफी के जाल में फंसाकर उनका न केवल भविष्य बर्बाद कर रहे हैं, बल्कि साइबर अपराधी बनाकर उनके पूरे जीवन पर ही कालिख पोतने का काम कर रही हैं। ये सब कंपनियां ऑनलाइन चाइल्ड सेक्स ट्रेफिकिंग को बढ़ावा दे रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि किशोरों को अश्लील फिल्में दिखाकर बच्चे और सगे-संबंधी नाबालिग इनकी करतूतों का शिकार हो रहे हैं। लंदन के पास बसे शहर सोहो में इस तरह की वीडियो क्लीपिंग बनाने का धंधा खुलेआम चल रहा है। आज सूचना तकनीक की जरूरत इस हद तक बढ़ गई है कि समाज का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं रह गया है। कोरोना-काल में बच्चों को डिजिटल माध्यम से पढ़ने का जो बहाना मिला है, उसमें इंटरनेट पर डेटा की खपत से पता चला है कि चाइल्ड पोर्नाग्राफी की बीमारी भी उसी अनुपात में बढ़ रही है। आज दुनिया में करीब 4.5 अरब लोगों की इंटरनेट तक पहुंच हो गई है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आइएमएआई) के सर्वे के अनुसार 2019 में भारत में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या करीब 45.1 करोड़ है। यह संख्या देश की आबादी की 36 फीसदी है। इनमें से 38.5 करोड़ उपभोक्ता 12 वर्ष से अधिक उम्र के हैं और 6.6 करोड़ 11 वर्ष या इससे कम आयु समूह के हैं। इनमें से ज्यादातर अपने परिजनों की डिवाइस पर इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। 16-20 वर्ष के आयु समूह युवा सबसे ज्यादा इंटरनेट का उपयोग करते हैं। देश में 25.8 करोड़ पुरुष और शेष महिलाएं इंटरनेट का उपयोग करती हैं। भारत में इंटरनेट डेटा की खपत इसके सस्ते होने की वजह से भी बढ़ रही है। पिछले चार साल में डेटा की खपत 56 गुना बढ़ी है, वहीं दरों में कमी 99 प्रतिशत हुई है। इकोनॉमिक सर्वेक्षण के अनुसार 2016 में डेटा की दरें 200 रुपए प्रति जीबी थी, जो 2019 में घटकर 12 रुपए प्रति जीबी तक आ गई हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली एक पोर्न वेबसाइट ने बताया है कि भारत में 2018 में औसतन 8.23 मिनट पोर्न वीडियो देखे गए, वहीं 2019 में यह अवधि बढ़कर 9.51 मिनट हो गई। यह आंकड़ा सिर्फ एक वेबसाइट का है, जबकि दुनिया में पोर्न संबंधी 150 करोड़ वेब पेज सक्रिय हैं। इनमें 28 करोड़ वीडियो लिंक हैं। ये पोर्न वेबसाइट जिन 20 देशों में सबसे ज्यादा देखी गईं, उनमें भारत का स्थान तीसरा है। दरअसल इसी साल 'नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड, एक्सप्लॉयटेड चिल्ड्रेन' नाम के संगठन ने बालयौन शोषण से जुड़ी जानकारियां चाहीं थीं। संगठन को कुल 1.68 करोड़ सूचनाएं मिलीं। इनमें 19.87 लाख भारत से, 11.5 लाख पाकिस्तान और 5.5 लाख सूचनाएं बांग्लादेश से मिली थीं। बच्चों के संदर्भ में मिली यह जानकारी अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि ये वे आंकड़े हैं जिनकी सूचना उपलब्ध हो गई है। परंतु इनमें वे आंकड़े नहीं हैं, जिनकी सूचना नहीं मिल पाई है। साफ है, बेटियों से दरिंदगी की एक बड़ी वजह पोर्न साइट्स की बिना किसी बाधा के उपलब्धता है। ऐसे में जो विद्यार्थी इंटरनेट पर पढ़ाई के बहाने पोर्न देखने में लग जाते हैं, उनके पालक सामान्य तौर से ऐसा कैसे सोच सकते हैं कि वे जिनके भविष्य के सपने बुन रहे हैं, वे स्वयं किस मानसिक अवस्था से गुजर रहे हैं। ऐसे में उन अभिभावकों के बच्चों को ज्यादा भटकने का अवसर मिल रहा है, जिनके माता-पिता दोनों नौकरी में हैं। ऐसे में यह निगरानी रखनी मुश्किल होती है कि आखिर बच्चे मोबाइल पर देख क्या रहे हैं? इस कोरोना काल में यह बात मीडिया में तेजी से उठ रही है कि शैक्षिक संस्थान लंबे समय तक बंद रहने की स्थिति में पढ़ाई-लिखाई के लिए ऑनलाइन विकल्पों को क्यों न स्थाई बना दिया जाए? लेकिन यह प्रश्न नहीं उठाया जा रहा है कि पढ़ाई-लिखाई के दौरान बच्चे मोबाइल पर कौन-सा पाठ पढ़ रहे हैं? उन्हें कौन अज्ञात व्यक्ति बरगलाकर गलत दिशा दे रहा है? इसकी निगरानी कैसे संभव है? सोशल मीडिया पर निर्बाध पहुंच और बच्चों की जरूरतों के प्रति अभिभावकों की निश्चिंतता एवं लापरवाही इस तरह की घटनाओं के लिए ज्यादा जिम्मेवार है। ये घटनाएं इसलिए और बढ़ रही हैं क्योंकि हमारी परिवारिक और कौटुंबिक जो सरंचना थी, उसे सुनियोजित ढंग से तोड़ा जा रहा है। ऐसे में बच्चों को नैतिक मूल्यों से जुड़े पाठ, पाठ्यक्रम से तो गायब कर ही दिए हैं, घरों में भी दादा-दादी या नाना-नानी इन पाठों को किस्सों-कहानियों के जरिए पढ़ाने के लिए उपलब्ध नहीं रह गए हैं। यदि नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ाने की बात कोई शिक्षाशास्त्री करता भी है तो उसे पुरातनपंथी कहकर नकार दिया जाता है। अब नई शिक्षा नीति में जरूर कुछ इस तरह के पाठ जोड़ने की पैरवी हो रही है। यह समस्या इसलिए विकट होती जा रही है क्योंकि इंटरनेट और सोशल प्लेटफॉर्म प्रदाता कंपनियां इस दुरुपयोग को रोकने के लिए कोई कारगर पहल करने को तैयार नहीं हैं। कंपनियां अक्सर इस तरह के मामले उठते हैं तो उस बाबत यह कहकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती हैं कि वह ऐसी किसी आपत्तिजनक तस्वीर या सामग्री के उपयोग की अनुमति नहीं देती। ज्यादा हुआ तो जो आपत्तिजनक सामग्री अपलोड हो जाती है, उसे हटाने का अश्वासन दे देती हैं। लेकिन कंपनी के ऐसे दावे भरोसे के लायक नहीं होते हैं, क्योंकि ऐसी सामग्री की पुनरावृत्ति होती रहती है। यदि ज्यादा जोर डाला जाता है तो सोशल साइट के उपभोक्ता सुनियोजित ढंग से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बाधित होने का शोर मचने लगते हैं और इंटरनेट का दुरुपयोग रोकने के उपायों को कोर्ट में चुनौती दे दी जाती है। इन बातों का यह अर्थ कतई नहीं है कि सोशल मीडिया पर नियमन, स्व-नियमन या सरकारी नियंत्रण की कोई जरूरत ही नहीं रह गई है। हकीकत यह है कि किशोर बच्चों के लिए इंटरनेट घातक साबित हो रहा है। इसलिए इस परिप्रेक्ष्य में नियंत्रण की जरूरत कहीं अधिक बढ़ गई है। इसका आधार यही है कि सोशल मीडिया पर बढ़ती अश्लील करतूतें अब नैतिक मर्यादा के उल्लंघन और सभ्य समाज की संरचना के लिए गंभीर चुनौती के रूप में पेश आने लगी हैं, इसलिए ओटीटी पर अंकुश जरूरी है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

जीवन साधना

श्रीराम शर्मा आचार्य

अध्यात्म विज्ञान के साधकों को अपने दृष्टिकोण में मौलिक परिवर्तन करना पड़ता है। सोचना होता है कि मानव जीवन की बहुमूल्य धरोहर इस प्रकार उपभोग करनी है, जिससे शरीर निर्वाह-लोक व्यवहार भी चलता रहे, साथ ही आत्मिक अपूर्णता को पूरा करने का चरम लक्ष्य भी प्राप्त हो सके। ईश्वर के दरबार में पहुंचकर सीना तानकर कहा जा सके कि जो अमानत जिस प्रयोजन के लिए सौंपी गई थी, उसे उसी हेतु सही रूप में प्रयुक्त किया गया है। इस मार्ग में सबसे बड़ी रुकावट तीन हैं-लोभ, मोह और अहंकार। इन्हीं के कारण मनुष्य पतन और पराभव के गर्त में गिरता है, पशु, प्रेत और पिशाच की जिंदगी जीता है। लोक विजय के लिए सादा जीवन उच्च विचार का सिद्धांत अपनाना पड़ता है। औसत नागरिक स्तर के निर्वाह में संतोष करना पड़ता है। ईमानदारी और परिश्रम की कमाई पर निर्भर रहना पड़ता है। जो विलास में अधिक खर्च करता है, प्रकारांतर से दूसरों को उतना ही अभावग्रस्त रहने के लिए मजबूर करता है। इसीलिए शास्त्रकारों ने परिग्रह को पाप बताया है। अधिक कमाया जा सकता है, पर उसमें से निजी निर्वाह में सीमित व्यय करके शेष बचत को गिरे हुए को उठाने, उठे हुए को उछालने और सत्प्रवृत्तियों के संवर्धन में लगाना जाना चाहिए। राजा जनक जैसे उदारहणों की कमी नहीं है। मितव्ययी अनेक दुर्व यसनों और अनाचारों से बचता है। ऐसी हविस उसे सताती नहीं, जिसके लिए अनाचार पर उतारु होना पड़े। साधु ब्राह्मणों की यही परंपरा रही है। सज्जनों की शालीनता भी उसी आधार पर फलती-फूलती है। जीवन साधना के उस प्रथम अवरोध लोभ को नियंत्रित कराने वाला दृष्टिकोण हर साधक को अपनाना चाहिए। मोह वस्तुओं से भी होता है और व्यक्तियों से भी। छोटे दायरे में आत्मीयता सीमाबद्ध करना ही मोह है। उसके रहते हृदय की विशालता चरितार्थ ही नहीं होती। अपना शरीर और परिवार ही सब कुछ दिखाई पड़ता है। उन्हीं के लिए मरने-खपने के कुचक्र में फंसे रहना पड़ता है। अहंकार मोटे अथरे में घमंड माना जाता है। अशिष्ट व्यवहार, क्रोधग्रस्त रहना अंहकार की निशानी है। लोभ, मोह और अहंकार जिनके पास हैं, उनके लिए जीवन साधना की लंबी व ऊंची मंजिल पर चलना असंभव हो जाता है।

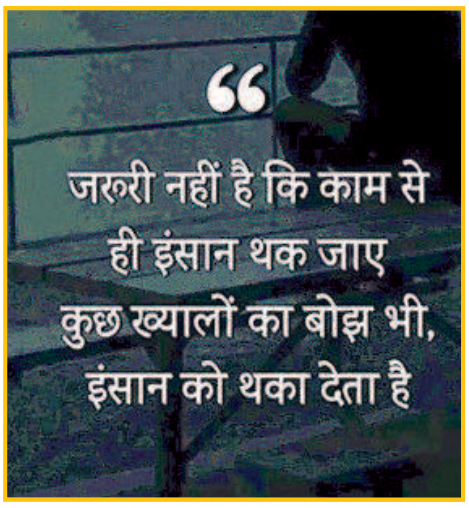

'आधी दुनिया' के प्रति बढ़ते अपराध

- योगेश कुमार गोयल

महिलाओं के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने और उनके अधिकारों पर चर्चा के लिए प्रतिवर्ष 8 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम को संयुक्त राष्ट्र की ओर से महिलाओं के नेतृत्व को समर्पित किया गया है। कोरोना काल में सेवाएं देने वाली महिलाओं और लड़कियों के योगदान को रेखांकित करने के लिए इसबार महिला दिवस की थीम 'महिला नेतृत्व- कोविड-19 की दुनिया में एक समान भविष्य को प्राप्त करना' है। दरअसल पिछले एक साल से भी अधिक समय कोविड-19 महामारी के कहर से पूरी दुनिया प्रभावित हुई है और इस बुरे दौर में कोरोना योद्धाओं ने मानवीय सेवा की बड़ी मिसाल पेश की। इन्हीं कोरोना योद्धाओं में दुनियाभर में बहुत सारी महिलाओं ने भी न केवल आगे बढ़कर अग्रिम मोर्चे पर सेवाएं दी बल्कि अपनी कुशल नेतृत्व क्षमता का लोहा भी मनवाया। सोशलिस्ट पार्टी के आह्वान पर सबसे पहला महिला दिवस अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में 28 फरवरी 1909 को एक समाजवादी राजनीतिक कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया था। उसके बाद जर्मनी की क्लारा जेडकिंट ने वर्ष 1910 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का विचार रखा। उनका कहना था कि विश्व में प्रत्येक देश की महिलाओं को अपने विचार रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाने की योजना बनानी चाहिए। उसी के बाद एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें 17 देशों की कुल सौ महिलाओं ने हिस्सा लेते हुए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने पर सहमति जताई और 19 मार्च 1911 को ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी तथा स्विट्जरलैंड में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। करीब दो वर्ष बाद वर्ष 1913 में इसे 19 मार्च के बजाय 8 मार्च को मनाया जाना निर्धारित कर दिया गया। 1917 में सोवियत संघ द्वारा इस दिन राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया था। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पहली बार वर्ष 1975 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और 8 मार्च 1975 से दुनियाभर में यह दिवस प्रतिवर्ष अलग-अलग थीम के साथ मनाया जा रहा है। पिछले 46 वर्षों से प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस का आयोजन किया जा रहा है लेकिन चिंता की बात यही है कि इतने वर्षों में भी महिलाओं की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। जब हम महिलाओं के साथ लगातार सामने आती आपराधिक घटनाओं को देखते हैं तो सिर शर्म से झुक जाता है। वर्तमान सदी को महिलाओं के लिए समानता सुनिश्चित करने वाली सदी बनाने का आग्रह करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस कह चुके हैं कि न्याय, समानता तथा मानवाधिकारों के लिए लड़ाई तबतक अधूरी है, जबतक महिलाओं के साथ लैंगिक भेदभाव जारी है। पूरी दुनिया में भले महिला प्रगति के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं पर हकीकत यही है कि महिला सुरक्षा के लाख दावों के बावजूद उनकी स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। संयुक्त राष्ट्र महिला के आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में 15-19 आयु वर्ग की करीब डेढ़ करोड़ किशोर लड़कियां जीवन में कभी न कभी यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं। करीब 35 फीसदी महिलाओं और लड़कियों को अपने जीवनकाल में शारीरिक एवं यौन हिंसा का सामना करना पड़ता है। हिंसा की शिकार 50 फीसदी से अधिक महिलाओं की हत्या उनके परिजनों द्वारा ही की जाती है, वैश्विक स्तर पर मानव तस्करी के शिकार लोगों में 50 फीसदी व्यस्क महिलाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिदिन तीन में से एक महिला किसी न किसी प्रकार की शारीरिक हिंसा का शिकार होती हैं। हाल ही में एक ताजा अध्ययन में एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है, जिसमें 78.4 फीसदी महिलाओं ने स्वीकार किया कि उन्होंने सार्वजनिक स्थल हिंसा झेली है। करीब 68 फीसदी महिलाओं ने माना कि उन्होंने सार्वजनिक परिवहन में सफर करते समय हिंसा का अनुभव किया और इनमें से 38.5 फीसदी महिलाएं ऐसी हिंसा चुपचाप सह गई क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि उन्हें क्या करना है। महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को इसी से समझा जा सकता है कि महिला सुरक्षा के लिए बने तमाम कानूनों के बावजूद अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे महिला पुलिसकर्मियों तक से छेड़छाड़ और उन पर हमला करने से भी नहीं डरते। 3 मार्च 2021 को दिल्ली के द्वारका इलाके में चलती बस में एक युवक में 29 वर्षीया महिला कांस्टेबल से छेड़छाड़ शुरू कर दी लेकिन कांस्टेबल द्वारा विरोध करने और पुलिस में शिकायत करने की धमकी देने पर युवक महिला कांस्टेबल के सिर पर हेलमेट से वार कर बस से कूदकर फरार हो गया। हाल ही में राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में महिला अपराध के एक नृशंस मामले में जमानत पर बाहर आए दुष्कर्म के एक आरोपी ने पीड़िता को हत्या के इरादे से जिंदा जलाने का प्रयास किया। हादसे में पीड़िता 70 फीसदी तक झुलस गई और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में गत दिनों 12 वर्षीया बच्ची को बलात्कारी ने रेप के बाद मारकर अपने घर में गाड़ दिया। बच्ची अपने खेत में खाना खाने के बाद उसके घर पानी मांगने गई थी लेकिन उस बेचारी को क्या पता था कि उसे पानी नहीं बल्कि उसके बदले ऐसी दर्दनाक मौत मिलेगी। बिहार के सीतामढ़ी जिले के एक गांव में गांव के ही रहने वाले चार दबंग युवकों ने नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ रेप किया और जघन्य वारदात की वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। हैरानी की बात यह कि पुलिस द्वारा इस मामले में करीब एक सप्ताह बाद कदम उठाया गया। समूची मानवता को शर्मसार करती ऐसी घटनाएं सिस्टम पर भी गंभीर सवाल खड़े करती हैं। ऐसी कोई भी वीभत्स घटना सामने आने के बाद हर बार एक ही सवाल खड़ा होता है कि आखिर भारतीय समाज में कब और कैसे मिलेगी महिलाओं को सुरक्षा? कब तक महिलाएं घर से बाहर कदम रखने के बाद इसी प्रकार भय के साये में जीने को विवश रहेंगी? निर्भया कांड के बाद कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मर्यादा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, 'आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती।

हैदराबाद की बेटी दिशा का मामला हो या उन्नाव पीड़िता का अथवा हाथरस या बुलंदशहर की बेटियों का, लगातार सामने आते इस तरह के तमाम मामलों से स्पष्ट है कि केवल कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने वाले नहीं हैं। इसके लिए सबसे जरूरी है कि तमाम सरकारें प्रशासनिक मशीनरी को चुस्त-दुरूस्त करने के साथ ऐसे अपराधों के लिए प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करें।

आज का राशिफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

परफ्यूम को बनाएं सिगनेचर स्टाइल

पार्टी में जाना हो या फिर ऑफिस के लिए तैयार होना हो, परफ्यूम आपके जीवन में एक अहम हिस्सा निभाता है। पर क्या आप जानते हैं जाने-अनजाने आपका फेवरेट परफ्यूम दूसरों के सामने आपके व्यक्तित्व के कई रहस्यों से पर्दा उठा रहा होता है। जी हां हर व्यक्ति के लिए उसका परफ्यूम उसका सिगनेचर स्टाइल होता है। आइए जानते हैं आखिर कैसे।

हर व्यक्ति को परफ्यूम का चुनाव करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपका पसंदीदा परफ्यूम आपकी पर्सनैलिटी को ही बयां करने वाला होना चाहिए। यदि आप स्वभाव में रोमांटिक है, हंसमुख हैं या फिर बिंदास हैं तो अपने स्वाभाव के हिसाब से ही अपने परफ्यूम का चुनाव करें।

रूमानियत वाले लोगों को फ्लोरल महक वाले परफ्यूम जैसे जैसमिन, रोज, लिली जैसी खुशबु वाले परफ्यूम तो ऊर्जा से भरपूर लोगों के लिए नींबू की तीखी महक फबेंगे। अगर आप बेहद संजीदा रहने वाले व्यक्ति हैं तो आपके लिए वुडी स्मैल अच्छा विकल्प हो सकता है। यह सुगंध धीरे-धीरे फिर आपकी पहचान बन जाती है।

किस कोड का क्या होता है मतलब

अक्सर परफ्यूम खरीदते समय लोगों के दिमाग में पहला ख्याल उसकी खुशबू को लेकर ही आता है कि आखिर उस परफ्यूम की खुशबू आपको कितनी देर तक बरकरार रखेगी। ऐसे में आपकी ये उलझन दूर करते हुए आपको बता दें कि अगर आपकी परफ्यूम की बोतल में ओ डी कोलोन लिखा है तो परफ्यूम 2 घंटे तक टिका रहेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें सिर्फ 5 फीसदी तेल में पानी और एल्कोहल को मिलाया जाता है।

अगर बोतल पर ओ डी ट्वायलेट लिखा हो तो उसमें 8 प्रतिशत तेल मौजूद होने की वजह से वो 4 घंटे तक टिका रहता है। जबकि ओ डी परफ्यूम में करीब 18 प्रतिशत तेल मौजूद होता है और इसकी खुशबू 6 घंटों तक बनी रहती है। वहीं अगर बात करें बोतल पर सिर्फ परफ्यूम लिखे 15 से 30 प्रतिशत तक मौजूदा तेल वाले परफ्यूम की तो उसकी महक पूरे दिन आपको महकाती रहेगी।

अच्छी नींद और पढ़ाई के लिए फायदेमंद है गुलाब की खुशबू

गुलाब की खुशबू बेहतर तरीके से पढ़ने और नींद की गुणवत्ता में सुधार लाने में मददगार साबित होती है। एक नए शोध में यह बात सामने आई है। पत्रिका 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में प्रकाशित अध्ययन, अंग्रेजी शब्दावली सीखने वाले दो वर्गों के विद्यार्थियों पर किया गया था, जिनमें से एक ने इसे गुलाब की खुशबू के साथ सीखा, जबकि एक ने इसके बिना।

जर्मनी स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रीबर्ग के शोध प्रमुख जुर्गन कोर्नमीयर ने कहा, हमने दिखाया कि सुगंध का सहायक प्रभाव रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत मजबूती से काम करता है और इसे लक्षित तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। फर्स्ट ऑथर और स्टूडेंट टीचर फ्रांजिस्का न्यूमैन ने शोध के लिए दक्षिणी जर्मनी के एक स्कूल के दो छठवीं कक्षा के 54 विद्यार्थियों पर कई प्रयोग किए।

परीक्षण समूह के युवा प्रतिभागियों को अंग्रेजी शब्दावली सीखने के दौरान घर पर अपने डेस्क पर गुलाब-सुगंधित अगरबत्ती लगाने के लिए कहा गया। साथ ही रात में बिस्तर के बगल में बेडसाइड टेबल पर भी ऐसा ही करने को कहा गया। एक अन्य प्रयोग में स्कूल में अंग्रेजी के परीक्षण (टेस्ट) के दौरान उन्हें टेबल के नजदीक धूप बत्ती लगाने को भी कहा गया। परिणामों की तुलना परीक्षण परिणामों से की गई, जिसमें एक या अधिक चरणों के दौरान किसी भी तरह की अगरबत्ती का इस्तेमाल नहीं किया गया था। न्यूमैन ने कहा, जब सोने और सीखने के लिए पास में अगरबत्ती का प्रयोग किया गया, तब विद्यार्थियों ने 30 प्रतिशत के साथ पढ़ाई में सफलता दिखाई।

नौकरीपेशा महिलाओं को भा रही हैं साड़ियां

भारतीय परिवेश में साड़ियों के लिए सदा ही खास जगह रही है। हर साड़ी की एक विशेष पहचान है। इन्हीं में एक बनारसी साड़ी है, जो आज नौकरीपेशा महिलाओं की भी पहली पसंद बनी हुई है।

फैशन की दुनिया में नित नए प्रयोग किए जाते हैं, बदलाव होते हैं और महिलाएं उन्हें बड़े शौक से अपनाती भी हैं। लेकिन आज भी एक चीज है, जो कभी दूर नहीं हुई, वो है साड़ी। साड़ी पहनने के तरीकों में, फैब्रिक में भले ही बदलाव आए हों, पर यह कभी फैशन से बाहर नहीं होती। तभी तो भारतीय महिलाओं का वॉर्डरोब साड़ियों से भरा रहता है। भारतीय परिवेश में साड़ी एक ऐसा अभिन्न और सुरुचिपूर्ण परिधान है, जिसमें हर महिला खूबसूरत लगती है। अलग-अलग परिवेश में अलग-अलग तरह की साड़ियां पहनी जाती हैं। अपनी पसंद और अवसर के हिसाब से साड़ी को विभिन्न शैलियों में बांटा गया है। इसी प्रकार से उन्हें विभिन्न अंदाज में पहना भी जा सकता है।

इस परिधान को पहनने वाली माहिलाओं में धर्म और आस्था को लेकर अपनी अलग राय हो सकती है, लेकिन इसमें उकेरी गई कलाकृतियां उनकी संस्कृति एवं आस्था का प्रमाण अवश्य देती हैं।

अलग-अलग तरह की साड़ियां महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। इन्हीं में एक बनारसी साड़ी है, जो कई तरह के रंगों में आती है, जिनमें सोने व चांदी की जरी का काम होता है। इनमें अनेक प्रकार के नमूने बनाए जाते हैं, जिन्हें मोटिफ कहते हैं। रेशम की खूबसूरत बनारसी साड़ी हर महिला पर खूब फबती है।

नया चलन

बनारसी साड़ी को पहले मुख्य रूप से शुभ अवसरों पर पहना जाता था। शादियों, पूजा-हवन आदि में महिलाएं इन्हें ही पहनती थीं, लेकिन आज महिलाएं इसे अपने कार्यस्थल पर भी पहन कर जाती हैं।

सॉफ्ट फैब्रिक

हल्के रेशम के धागों का उपयोग करके बुनी गई ये साड़ियां ऑफिस में पहने जाने के लिए बिल्कुल ठीक हैं। आप इन्हें दिन के समय में भी आसानी से पहन सकती हैं, क्योंकि इनकी चमक भी ज्यादा तेज नहीं होती।

डिजाइन और पैटर्न पर कारीगरी का जादू

छोटे मोटिफ्स (बेल, बूटा, जाल आदि नमूने) व सुंदर डिजाइन वाली साड़ियों को आप ऑफिस जाने के लिए चुन सकती हैं। छोटे मोटिफ्स वाली साड़ी का चुनाव करते समय ध्यान रखें कि आपकी साड़ी एक रंग की हो, सुंदर भी लगे और कॉन्फ्रेंस या मीटिंग्स के लिए मुफीद भी हो।

हल्के रंग व सुंदर बॉर्डर देते हैं शानदार लुक

जब आप ऑफिस के लिए बनारसी साड़ी का चुनाव करें तो ख्याल रखें कि कलर ज्यादा चटख न हों। बेबी पिंक, आसमानी नीला, लेमनी, बेज या फिर पेस्टल रंग की साड़ियों का चुनाव करना अच्छा विकल्प हो सकता है। इन रंगों की साड़ी आपको एक शानदार लुक देगी। साड़ी पर विस्तृत कढ़ाई का काम इसे और शानदार बनाता है। आप हल्की कढ़ाई वाली साड़ियों को भी चुन सकती हैं। सुंदर कढ़ी हुई बॉर्डर वाली बनारसी साड़ी आपके 'फॉर्मल लुक' को बरकार रखेगी।

गर्भ बचाने में हार्मोन थेरेपी कारगर

गर्भवती महिलाओं को शुरुआती हफ्तों में ही प्रोजेस्टेरोन हार्मोन थेरेपी देने से उनकी गर्भावस्था में आने वाली जटिलताएं कम हो सकती हैं। साथ ही गर्भपात का खतरा कम होने की संभावना होती है। एक हालिया शोध में यह खुलासा हुआ है। शोध के मुताबिक, हार्मोन थेरेपी से सफल जन्म में बढ़ोतरी हो सकती है। अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गाइनोकोलॉजी में प्रकाशित शोध में गर्भावस्था के दौरान महिलाओं पर हार्मोन थेरेपी के प्रभावों का अध्ययन किया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार, गर्भावस्था की शुरुआत के दौरान जिन महिलाओं को रक्तस्राव होता है उन्हें यह हार्मोन थेरेपी दिए जाने पर गर्भपात की संभावनाएं कम हो सकती हैं।

दो तरह के परीक्षण किए

शोधकर्ताओं ने बताया कि प्रोजेस्टेरोन हार्मोन प्राकृतिक रूप से ओवरी और प्लेसेंटा द्वारा शुरुआती गर्भावस्था में उत्पादित किए जाते हैं। यह स्वस्थ गर्भावस्था के लिए बहुत जरूरी होते हैं। शोधकर्ताओं ने दो तरह के क्लीनिकल परीक्षण किए, जिनका नाम प्रोमिस और प्रिज्म था। प्रोमिस के तहत 836 महिलाओं का अध्ययन किया गया। इसमें पाया गया कि हार्मोन थेरेपी देने से सफल जन्मदर में तीन फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं, प्रिज्म के तहत 4153 महिलाओं पर शुरुआती गर्भावस्था के दौरान शोध किया गया। इन सभी को रक्तस्राव की परेशानी थी। इनको जब हार्मोन थेरेपी दी गई तो सफल जन्मदर में पांच फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

सस्ता और अच्छा है ये इलाज

शोधकर्ताओं के अनुसार हार्मोन थेरेपी उन लोगों के लिए फायदेमंद होती है जिनका पहले गर्भपात हो चुका होता है। इन महिलाओं में सफल जन्मदर में 15 फीसदी तक बढ़ोतरी हो सकती है। शोधकर्ता एडम डेवाल ने कहा कि 20 से 25 फीसदी गर्भावस्थाओं के दौरान गर्भपात हो जाता है। इससे महिलाओं और उनके परिवारों पर गहरा मनोवैज्ञानिक आघात होता है। ऐसे में हार्मोन थेरेपी सबसे सस्ता और अच्छा इलाज है, जो गर्भपात झेल चुकी महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इस थेरेपी के जरिएसफल जन्मदर में 15 फीसदी बढ़ोतरी हो सकती है।

इस स्टाइलिश अंदाज में करें बदलते मौसम का वेलकम

सर्दियों का मौसम जाने ही वाला है और स्पिंग सीजन दस्तक देने को तैयार है, ऐसे में एक नए ट्रेंड के लिए भारी-भरकम मेकअप को छोड़ने और कुछ नए रंगों को जोड़ने का वक्त आ गया है। सर्दियों में गाढ़े रंग के कपड़ों को पहनने का फैशन रहता है, लेकिन अब बारी कुछ जानदार और ब्राइट रंगों के परिधानों को पहनने का है। कुछ फैशन टिप्स :

सही फाउंडेशन का करें चुनाव

वसंत ऋतु में सर्दियों की तरह हेवी फाउंडेशन की जगह लाईट वेट फाउंडेशन का इस्तेमाल अपने चेहरे पर करें जिससे चेहरे पर एक नैचुरल ग्लो आएगा। ऐसे ऋतु में बीबी क्रीम और ल्यूमीनियस फाउंडेशन्स सबसे बेहतर होते हैं।

ब्रोन्ज व हाइलाईट

वैसे तो पाऊडर ब्रोन्जर और ब्लशर्स काफी अच्छे होते हैं, लेकिन वसंत ऋतु में क्रीम या लिक्विड प्रोड्क्ड का ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। ये आपकी त्वचा में अच्छे से मिल जाते हैं और इनसे चेहरे को एक नैचुरल लुक मिलता है। कॉन्टोर और ब्लश को हल्का रखें ताकि चेहरे का ग्लो देखने लायक बनें।

ब्राईट लिपस्टिक

वसंत ऋतु का तात्पर्य ही चमकीले रंगों से है, ऐसे में लिपस्टिक का चुनाव भी इसी बात को ध्यान में रखते हुए करें। आप या तो पेस्टल, पिंक या पीच टोन को अप्लाई कर सकते हैं या फिर सैटिन फिनिश के साथ इस मौसम के लिए खासतौर पर बनाए गए प्रोड्क्ट का भी उपयोग कर सकते हैं।

मस्कारा

इसे अप्लाई करने से पहले एक बात का ध्यान जरूर रखें और वह ये कि कलर्ड मस्करा को लगाने से पहले बेस मस्करा लगाना न भूलें ताकि ये रंग आपकी आंखों में अच्छे से झलके।

नेचुरल आईशैडो पैलेट्स

इसमें कई तरह के बेहतरीन शेड्स उपलब्ध होते हैं जिन्हें यूज कर आप एक शानदार लुक पा सकते हैं इस मौसम में डार्क व स्मोकी शेड्स के बजाय वॉर्म बेरी या न्यूड आईशैडो पैलेट्स को अपना सकते हैं

बोल्ड और कलरफूल आईलाइनर

आंखों के मेकअप से खेलने का यह एक बेहतर समय है। इस मौसम में बोल्ड, रेट्रो ब्लू और चमकीले बैंगनी आईलाइनर्स का इस्तेमाल किया जा सकता है, इससे आंखों को एक बेहतरीन व एक नया लुक मिलेगा।

अदाणी ग्रीन एनर्जी की इकाई ने गुजरात में 100 मेगावाट का पवन ऊर्जा संयंत्र चालू किया

नई दिल्ली: अदाणी ग्रीन एनर्जी ने सोमवार को कहा कि उसकी इकाई अदाणी विंड एनर्जी कच्छ थ्री लिमिटेड (एडब्ल्यूईकेटीएल) ने गुजरात के कच्छ में 100 मेगावाट का पवन ऊर्जा संयंत्र चालू किया है। इस संयंत्र के चालू हो जाने के साथ कंपनी की कुल परिचालन क्षमता 497 मेगावाट तक पहुंच गई है। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने एक वक्तव्य में इसकी जानकारी देते हुये कहा कि इस संयंत्र को तय समय से पांच महीने पहले चालू कर दिया गया। पिछले 12 माह में कंपनी का यह पांचवां प्रोजैक्ट है जिसे समय से पहले चालू किया गया। कंपनी ने कहा कि संयंत्र में बनने वाली बिजली की खरीद-फरोख्त का समझौता 2.82 रुपए प्रति केडब्ल्यूएच पर किया गया है। एजीईएल की कुल अक्षय ऊर्जा क्षमता 14,815 मेगावाट हो गई है। इसमें 11,470 मेगावाट ऐसी क्षमता है जिसके लिए ठेके दे दिए गए हैं और या फिर निर्माण के विभिन्न स्तरों पर है। इस परियोजना के साथ ही कंपनी ने कोविड-19 की चुनौती के बावजूद पिछले 12 माह के दौरान कुल 800 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता को जोड़ा है।

पंजाब सरकार ने 2021- 22 के लिये 1,68,015 करोड़ रुपये का बजट पेश किया

चंडीगढ़. पंजाब राज्य विधानसभा में सोमवार को वर्ष 2021-22 के लिये 1,68,015 करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया जिसमें फसल रिण माफी योजना के तहत 1.13 लाख किसानों के 1,188 करोड़ रुपये के फसली रिण माफ करने का प्रस्ताव किया गया है। पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत सिहं बादल ने राज्य विधानसभा में 2021- 22 का बजट पेश करते हुये राज्य में बुजुर्गों की पेंशन 750 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये महीना करने की भी घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने शगुन योजना के तहत दी जाने वाली राशि को भी 21 हजार रुपये से बढ़ाकर 51,000 रुपये करने का प्रस्ताव किया। बादल ने कहा कि फसल रिण माफी योजना के अगले चरण में राज्य सरकार 1.13 लाख किसानों का 1,186 करोड़ रुपये और भूमिहीन किसानों का 526 करोड़ रुपये का फसल कर्ज माफ करेगी। राज्य की अमरिंदर सिंह सरकार के मौजूदा कार्यकाल का यह आखिरी बजट है। राज्य में अगले साल के शुरुआती महीनों में चुनाव होने हैं।

एक्सिटेल ने बिना किसी अतिरिक्त लागत के ओटीटी एंटरटेनमेंट प्लान लॉन्च किया

नई दिल्ली। ब्रॉडबैंड नेटवर्क प्रदाता एक्सिटेल ने सोमवार को एक विशेष ब्रॉडबैंड प्लान शुरू करने का खुलासा किया, जिसे बढ़ती ओटीटी खपत को पूरा करने के लिए क्यूरेट किया गया है। बंडल सेवा इस महीने से शुरू हो रही है, जो कि ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त कीमत के जी5, वूट, इरोस, शेमारू जैसे कई प्रमुख ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफार्मों का उपयोग करने की अनुमति देती है। सदस्यता (सब्सक्रिप्शन) एक्सिटेल की 300 एमबीपीएस/3 महीने की योजना के साथ पूरक हैं, जिसकी कीमत 752 रुपये है और यह सभी एक्सिटेल सर्विसिंग शहरों में उपलब्ध है। एक्सिटेल के सीईओ और सह-संस्थापक विवेक रैना ने एक बयान में कहा, हम एक्सिटेल में, देश में युवाओं की बिंगल-वॉचिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रमुख ओटीटी दिग्गजों के साथ साझेदारी करके खुश हैं। बंडल पैक यूजर्स को बिना किसी अतिरिक्त लागत और शून्य बफरिंग के हमारे 300 एमबीपीएस पैकेज के साथ टॉप-ऑफ-द-लाइन ओटीटी कंटेंट का उपभोग करने में सक्षम बनाता है। एक्सिटेल ने वर्ष 2020 में लगभग 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और इस दौरान इसने अपने यूजर (उपयोगकर्ता) आधार को 5,00,000 तक बढ़ाया है। वर्तमान में दिल्ली/एनसीआर, जयपुर, लखनऊ, प्रयागराज सहित 19 शहरों में इसका परिचालन हो रहा है। एक्सिटेल ब्रॉडबैंड 2021 के अंत तक 50 से अधिक शहरों में भी विस्तार की दिशा में काम कर रहा है।

5जी के मामले में अमेरिका से 10 कदम आगे चीन : एरिक श्मिट

न्यूयॉर्क.

गूगल के पूर्व सीईओ एरिक श्मिट ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से 5जी के काम में तेजी लाने का अनुरोध किया है और इस बात की भी चेतावनी दी है कि चीन इस मामले में अमेरिका से करीब दस कदम आगे है और यह गंभीर स्थिति किसी आपातकाल से कम नहीं है। श्मिट ने रविवार को सीएनएन को दिए साक्षात्कार में बताया, मेरा अनुमान है कि 5जी के क्षेत्र में चीन हमसे लगभग 10 गुना आगे है। यह एक राष्ट्रीय आपातकाल है। संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए आवश्यक बैंडविड्थ और धन प्राप्त करने की आवश्यकता है ताकि इसमें आगे बढ़ा जा सके। हम पहले ही काफी पीछे चल रहे हैं और यह एक गंभीर स्थिति है। श्मिट की यह टिप्पणी चीन के हुवावे को लेकर है, जो कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में 5जी तकनीक में अग्रणी बनकर उभरी है। ट्रंप प्रशासन ने साल 2020 में चीन में 5जी तकनीक के विक्रेताओं हुवावे और जेडटीई के खिलाफ एक अभियान की अगुवाई की थी। अमेरिका ने कहा था कि विदेशी बाजारों में अपनी पैठ जमाने के लिए हुवावे चीन का एक पिछला दरवाजा है और साथ ही यह राष्ट्रीय सुरक्षा, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, गोपनीयता और मानवाधिकारों के लिए किसी खतरे से कम नहीं है। श्मिट ने एक ऐसे वक्त पर अपना यह बयान दिया है, जब हुवावे ने भारत में अपने नए करार पर मुहर लगा दी है। द इकोनॉमिक टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि भारती एयरटेल ने हुवावे को लगभग 300 करोड़ रुपये का एक अनुबंध सौंपा है, जो बुनियादी ढांचे में विस्तार से संबंधित है।

एसबीआई कार्ड की रिण प्रतिभूतियों के जरिये 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना

नयी दिल्ली,

एसबीआई कार्ड्स एण्ड पेमेंट सविर्सिज लिमिटेड (एसबीआई कार्ड) ने सोमवार को कहा कि उसकी एक अथवा अधिक किस्तों में रिण प्रतिभूतियों के जरिये 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। एसबीआई कार्ड ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में इसकी जानकारी देते हुये कहा है कि कंपनी के निदेशक मंडल की एक बैठक शुक्रवार (12 मार्च) को होने जा रही है। बैठक में कुल मिलाकर 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिये गैर- परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार होगा और उसे मंजूरी दी जायेगी। इसमें कहा गया है कि यह धन एक अथवा एक से अधिक किस्तों में जुटाया जायेगा। बंबई शेयर बाजार में एसबीआई कार्ड का शेयर पिछले कारोबारी सत्र के बंद भाव के मुकाबले 0.93 प्रतिशत बढ़कर 1,068.15 रुपये पर चल रहा था।

भारतीय कंपनियों का विदेशी बाजार में निवेश फरवरी में 31% घटकर 1.85 अरब डॉलर पर

मुंबई: भारतीय कंपनियों का विदेशी बाजारों में निवेश फरवरी में 31 प्रतिशत घटकर 1.85 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू कंपनियों ने फरवरी में अपनी विदेशी अनुषंगियों और संयुक्त उपक्रमों में 2.66 अरब डॉलर का निवेश किया था। रिजर्व बैंक के अनुसार, भारतीय कंपनियों के विदेशी बाजारों में कुल निवेश में 1.36 अरब डॉलर ऋण के रूप में में दिए गए। 29.73 करोड़ डॉलर का निवेश इक्विटी के रूप में हुआ और शेष 18.38 करोड़ रुपये गारंटी के रूप में दिए गए। हालांकि, भारतीय कंपनियों का कुल विदेशी निवेश जनवरी के 1.19 अरब डॉलर की तुलना में अधिक रहा। फरवरी में भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशी बाजार में किए गए प्रमुख निवेश में टाटा स्टील द्वारा सिंगापुर की अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी में एक अरब डॉलर तथा सन फार्मास्युटिकल्स द्वारा अमेरिका में संयुक्त उद्यम में किया गया 10 करोड़ डॉलर का निवेश शामिल है। ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल) ने रूस, मोजाम्बिक, म्यामां, सूडान, कोलंबिया, वियतनाम और अजरबेजान में अपनी विभिन्न संयुक्त उपक्रमों-पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगियों में 9.61 करोड़ डॉलर का निवेश किया।

फ्यूचर समूह की महिला कर्मचारियों की उनकी जीविका की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की अपील

नई दिल्ली:

ई-वाणिज्य मंच अमेजन और बिग बाजार चलाने वाले फ्यूचर समूह में जारी कानूनी लड़ाई के बीच बिग बाजार के लिए काम करने वाले महिला समूह ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी जीविका की रक्षा के लिए मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे एक पत्र में बिग बाजार एसओएस समूह की महिलाओं ने कहा है, ''फ्यूचर रिटेल और रिलायंस के बीच एक समझौता हुआ है जिसके तहत फ्यूचर रिटेल के स्टोरों को रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा चलाया जाएगा। रिलायंस ने इसके साथ ही फ्यूचर रिटेल के आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं के भी सभी बकाए का भुगतान करने की प्रतिबिद्धता जताई है। प्रधानमंत्री को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर भेजे गए इस पत्र में कहा गया है, ''कोरोना वायरस महामारी के दौरान जहां हमें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, वहीं इस सौदे से हमें अपनी जीविका आगे भी बेहतर ढंग से जारी रहने की उम्मीद बंधी थी लेकिन अमेजन के इस गठबंधन को रोकने के प्रयास के चलते हमारी और हमारे परिवार की रोजी रोटी के समक्ष खतरा पैदा हो रहा है।%% बिग बाजार से जुड़े इस समूह का दावा है कि उसके साथ दो लाख से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। इनमें दस हजार के करीब महिलायें तो सीधे फ्यूचर समूह से जुड़ी हैं जबकि अन्य दो लाख के करीब महिलाएं अप्रत्यक्ष तौर पर अपनी जीविका समूह के जरिए कमाती हैं। ये महिला समूह फ्यूचर समूह के बिग बाजार ब्रांड के लिए उत्पादों की आपूर्ति करते हैं। समूह के अन्य ब्रांड जैसे एफबीबी, सेंट्रल ब्रांड फैक्टरी, ईजीडे, हेरिटेज सिटी, डब्ल्यूएच स्मिथ और 7-इलेवन आदि को भी उत्पादों की आपूर्ति की जाती है। समूह ने कहा है कि उनका रोजगार छिन जाने के बाद उन्हें और उनके पारिवार को गहरा झटका लगेगा। इसके परिणामस्वरूप उन्हें गहरी कठिनाई से गुजरना पड़ सकता है। महिला समूह ने कहा है कि यदि फ्यूचर समूह-रिलायंस के बीच हुए समझौते में अमेजन को हस्तक्षेप करने देने की अनुमति दी गई तो इसका इन छोटे शहरों में जीविका का भरण पोषण करने वाले महिला समूहों पर बुरा असर होगा। देश के छह हजार के करीब छोटे कारोबारियों और आपूर्तिकर्ताओं का फ्यूचर समूह पर 6,000 करोड़ रुपए का बकाया है।

फ्यूचर समूह और अमेजन इस समय कानूनी लड़ाई में उलझे हुये हैं। फ्यूचर समूह के खुदरा और थोक कारोबार को रिलायंस रिटेल को बेचने का समझौता हुआ है जिसमें अमेजन ने आपत्ति जताई है। दोनों पक्षों ने कई कानूनी मंचों पर यह मामला उठाया है।

शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव के बीच कारोबार, मामूली बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स, निफ्टी

मुंबई।

देश के शेयर बाजार में सोमवार को भारी उतार-चढ़ाव के बीच कारोबार हुआ। हालांकि सत्र के आखिर में प्रमुख संवेदी सूचकांक मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पिछले सत्र से महज 35.75 अंक चढ़कर 50,441.07 पर ठहरा जबकि 18.10 अंकों की बढ़त बनाकर 14,956.20 पर बंद हुआ। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स बीते सत्र से 248.70 अंकों की बढ़त के साथ 50,654.02 पर खुला और 50,985.77 उछला, जबकि दिनभर के दौरान सेंसेक्स का निचला स्तर 50,318.26 रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी भी बीते सत्र से 64.35 अंकों की तेजी के साथ 15,002.45 पर खुला और 15,111.15 तक चढ़ा, जबकि दिनभर के कारोबार के दौरान निफ्टी का निचला स्तर 14,919.90 रहा। बीएसई मिडकैप सूचकांक बीते सत्र से 61.64 अंकों यानी 0.30 फीसदी की तेजी के साथ 20,649.44 पर बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक 131.18 अंकों यानी 0.63 फीसदी की तेजी के साथ 21,067.20 पर ठहरा। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 शेयरों में तेजी रही, जबकि 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के सबसे ज्यादा तेजी वाले पांच शेयरों में एलएंडटी (3.43फीसदी), ओएनजीसी (2.96 फीसदी), एचसीएलटेक (2.22फीसदी),एनटीपीसी (1.66 फीसदी) और एक्सिस बैंक (1.60फीसदी) शामिल रहे, जबकि सबसे ज्यादा गिरावट वाले पांच शेयरों में बजाज फाइनेंस (2.22 फीसदी), अल्ट्राटेक सीमेंट (2.22 फीसदी),इंडसइंड बैंक (2.05 फीसदी), बजाज ऑटो (1.40 फीसदी) और एचडीएफसी (1.60फीसदी) शामिल रहे।

युवा महिला निवेशक उच्च जोखिम, अधिक रिटर्न वाली संपत्तियों में करती हैं निवेश: सर्वे

नई दिल्ली:

युवा महिला निवेशक उच्च जोखिम और अधिक रिटर्न देने वाली संपत्तियों मसलन शेयरों आदि में निवेश करना पसंद करती हैं। एक सर्वे के अनुसार 18 से 25 साल की महिला निवेशकों द्वारा सुरक्षित निवेश विकल्प मसलन सावधि जमा (एफडी) के बजाय उच्च जोखिम वाले विकल्पों में निवेश करने की संभावना तीन गुना अधिक रहती है। यह सर्वे ग्रो ने किया है। इसमें 28,000 लोगों से प्रतिक्रियाएं ली गईं। सर्वे में महिलाओं के निवेश लक्ष्य के बारे में भी बताया गया है।

आय और उम्र के साथ बदल जाते हैं निवेश लक्ष्य

सर्वे के अनुसार 57 प्रतिशत युवा महिलाएं अपने निजी लक्ष्य को हासिल करने के लिए निवेश करती हैं। वहीं 28 प्रतिशत अपने यात्रा लक्ष्य को हासिल करने और 28 प्रतिशत उच्च शिक्षा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए निवेश करती हैं। सर्वे में कहा गया है कि आय और उम्र के साथ निवेश लक्ष्य बदल जाते हैं। इसमें कहा गया है कि 30 लाख रुपए सालाना से अधिक वेतन वाली महिलाएं ने कहा कि जल्दी सेवानिवृत्ति लेने की वजह से वे निवेश करती हैं।

म्यूचुअल फंड में निवेश महिलाओं का सबसे पसंदीदा विकल्प

10 से 30 लाख रुपए की आमदनी वाली 36 प्रतिशत और 5 से 10 लाख रुपए सालाना कमाने वाली 26 प्रतिशत महिलाओं ने यही बात कही। वहीं 35 साल से अधिक आयु की 64 प्रतिशत महिलाओं का कहना था कि वे शादी और बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश कर रही हैं। सर्वे में बताया गया है कि म्यूचुअल फंड में निवेश महिलाओं का सबसे पसंदीदा विकल्प है। सभी वेतन वर्गों की महिलाएं म्यूचुअल फंड में निवेश पसंद करती हैं। महिलाएं सोने में अच्छा-खासा निवेश करती हैं। सर्वे में शामिल 25 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि उन्होंने सोने में निवेश किया है। 10 लाख रुपए सालाना से अधिक कमाने वाली 40 प्रतिशत महिलाओं ने सोने में निवेश किया है। इसके अलावा 30 लाख रुपए सालाना से अधिक कमाने वाली 6 प्रतिशत महिलाओं ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश किया है। वहीं 10 लाख रुपए सालाना से कम कमाने वाली सिर्फ 4 प्रतिशत महिलाओं ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश किया है।

फ्लिपकार्ट पर मोटोरोला 4के एंड्रॉएड टीवी स्टिक लॉन्च

नई दिल्ली।

भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने सोमवार को भारत में मोटोरोला 4के एंड्रॉएड टीवी स्टिक को 3,999 रुपये में लॉन्च किया। मोटोरोला 4के एंड्रॉएड टीवी स्टिक उच्च प्रदर्शन वाले कॉर्टेक्स ए53 क्वाड-कोर 2 गीगाहट्र्ज 64-बिट प्रोसेसर और माली जी31 एमपी 2 - 850 मेगाहट्र्ज ग्राफिक इंजन से लैस है। फ्लिपकार्ट में प्राइवेट ब्रांड्स के उपाध्यक्ष चाणक्य गुप्ता ने एक बयान में कहा, सेगमेंट में प्रवेश करने के लिए ब्रांडों के लिए यह एक अच्छा समय है। मोटोरोला एक विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित और विश्वसनीय ब्रांड है। उन उपभोक्ताओं के लिए मोटोरोला टीवी स्टिक एक बेहतरीन विकल्प है, जो घर पर अपनी पसंदीदा वीडियो सामग्री का आनंद लेना चाहते हैं। यह एंड्रॉयड 9.0 ओएस द्वारा संचालित है और इसमें एक बिल्ट-इन क्रोमकास्ट है, जो यूजर्स को टीवी पर अपने मोबाइल स्क्रीन को प्रोजेक्ट करने की अनुमति देता है। यह 2 जीबी रैम से लैस है, जो बेहतर ब्राउजिंग को सक्षम बनाता है। 2160पी, 1080पी, 720पी के 60 फ्रेम प्रति सेकंड के रिजोल्यूशन के साथ, स्ट्रीमर एक अल्ट्रा एचडी और फुल एचडी देखने का अनुभव प्रदान करता है। यह एचडीआर 10 और एचएलजी वीडियो प्रारूपों का भी समर्थन करता है और इसमें नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम वीडियो, जी5 और यूट्यूब जैसे लोकप्रिय स्ट्रीमिंग ऐप के लिए हॉट की है। मोटोरोला मोबिलिटी में कंट्री हेड और प्रबंध निदेशक प्रशांत मणि ने एक बयान में कहा, हमें फ्लिपकार्ट पर मोटोरोला उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ एक और सार्थक जुड़ाव के साथ अपने संबंधों को बढ़ाने में खुशी हो रही है और यह विश्वास है कि यह अधिक उपभोक्ताओं को अपनी पसंदीदा सामग्री का आनंद लेने में सक्षम बनाएगा।

Air India को खरीदने के लिए केवल दो कंपनियां कतार में, अन्य के आवेदन खारिज

बिजनेस डेस्क:

सरकारी एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया खरीदने की रेस से एयर इंडिया के कर्मचारियों का कंसोर्शियम बाहर हो गया है। कर्मचारियों के समूह ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जमा किया था लेकिन वह अगले चरण में जाने के लिए जगह नहीं बना पाई है। 8 मार्च को एयर इंडिया एंप्लॉयीज को भेजे एक लेटर में कंपनी के कमर्शियल डायरेक्टर मीनाक्षी मलिक ने कहा कि कंसोर्शियम शॉर्टलिस्ट नहीं हो पाई है। एयर इंडिया में हिस्सेदारी लेने की दौड़ में अब टाटा संस और स्पाइस जेट आमने सामने है। मलिक एंप्लॉयी कंसोर्शियम को लीड कर रही थी। उन्होंने कहा, पिछली रात को भारत सरकार के ट्रांजैक्शन एडवाइजर अर्नेस्ट एंड यंग LLP ने एक ईमेल के जरिए बताया कि हम डिसइनवेस्टमेंट एक्वाजिशन प्रोसेस में अगले चरण में नहीं जा पाए हैं। मलिक ने लेटर में कहा है, बहुत दुख के साथ मुझे यह बताना पड़ रहा है कि हम एयर इंडिया की बीडिंग प्रोसेस से बाहर हो चुके हैं। मैं बस इतना कह सकती हूं कि पिछले कुछ महीनों के दौरान हम सबने जो कोशिशें की थी वह सराहनीय है। इसके बाद मलिक ने **E&Y** के मेल का एक हिस्सा डाला है। इसके मुताबिक **E&Y** ने कहा है, आपकी तरफ से जमा **EOI** और दूसरे डॉक्यूमेंट्स के आकलन के बाद हमने पाया कि एयर इंडिया के स्ट्रैटेजिक डिसइनवेस्टमेंट के प्रीलिमनरी इनफॉरमेशन मेमोरेंडम **(PIM)** की शर्तों को आप पूरा नहीं कर पाए हैं। इसलिए इसे आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है।

50,000 से अधिक ऑफ़लाइन खुदरा विक्रेताओं और आस-पास के स्टोर अब अमेज़न पर स्थानीय दुकानों के मालिक हैं

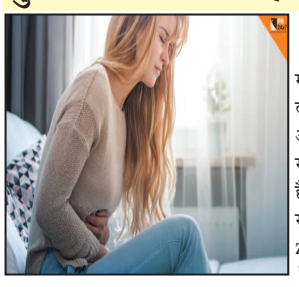

बेंगलुरु ।

ओग्गो एंटरप्राइजेज के मालिक संदीप शाह तीन दशकों से मुलुंड, मुंबई में अपनी दुकान से घर और रसोई के उत्पाद बेच रहे हैं। पिछले साल चुनौतीपूर्ण समय के बीच वे Amazon पर स्थानीय दुकानें ' कार्यक्रम के साथ अपने व्यवसाय को ऑनलाइन लाया और कार्यक्रम में शामिल होने के तीन महीने के भीतर अमेज़ॅन पर 800 से अधिक ऑर्डर पूरे किए। ई-कॉमर्स के साथ पहले अनुभव के बारे में, संदीप ने कहा, च्एक ग्राहक को ऑफ़लाइन स्टोर में किसी उत्पाद को देखने और चुनने में लगभग आधे घंटे लगते हैं, जबकि उस समय में मुझे ऑनलाइन 2-3 ऑर्डर मिलते हैं।ज्ज हम मुलुंड के बाहर और पूरे मुंबई में अपने स्वयं के डिलीवरी सेटअप के माध्यम से ग्राहकों की सेवा करते हैं। हम अन्य शहरों के साथ-साथ अमेज़ॅन के राष्ट्रव्यापी वितरण नेटवर्क के साथ ग्राहकों की सेवा करने में सक्षम हैं।

आज संदीप शाह 50,000 ऑफलाइन खुदरा विक्रेताओं में से एक है और आस-पास के स्टोर program अमेज़ॅन पर स्थानीय दुकानें 'कार्यक्रम में हैं। अप्रैल 2020 में शुरू किया गया, यह कार्यक्रम ऑफ़लाइन खुदरा विक्रेताओं और आस-पास के स्टोरों को ई-कॉमर्स लाभ प्रदान करता है। यह द्ब्ड्ड5श्ठ्ठ द्बठ्ठ पर एक डिजिटल उपस्थिति के साथ अपने स्टोर पर आने वाले ग्राहकों को एक विशिष्ट क्षेत्र से परे अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए मजबूर करता है। अमेज़ॅन पर स्थानीय दुकानों के साथ, ग्राहक घर से अपनी सुविधा पर अपने शहर में स्थानीय दुकानों के उत्पादों को देख सकते हैं, साथ ही स्थानीय दुकानों को डिजिटल स्टोर में बदलने में मदद कर सकते हैं। अमेज़ॅन पर स्थानीय दुकानें पूरे भारत में विक्रेताओं को अपनी आजीविका बनाए रखने के साथ-साथ महामारी की अनिश्चित अवधि में अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद करती हैं।

इंग्लैंड के साथ एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस साल के आखिर में इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के साथ एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने सोमवार को ट्वीटर पर इसकी जानकारी दी।उन्होंने कहा, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर यह घोषणा करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस साल के आखिर में इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के साथ एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। मुझे उम्मीद है कि भारतीय महिला टीम फिर से सफेद जर्सी में दिखेगी।भारतीय महिला क्रिकेट टीम 2014 के बाद से पहली बार कोई टेस्ट मैच खेलेगी। टीम अभी दक्षिण अफ्रीका के साथ लखनउ में पांच मैचों की वनडे सीरीज खेली रही है और मेजबान टीम पहला मैच हार चुकी है।

जोकोविच ने तोड़ा फेडरर का रिकॉर्ड, सबसे अधिक समय तक शीर्ष पर रहने वाले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली ।

हाल ही में अपना नौवां ऑस्ट्रेलियाई ओपन और 18वां ग्रैंडस्लैम का खिताब जीतने वाले टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने दिग्गज रोजर फेडरर को पछाड़कर एटीपी रैंकिंग में सबसे अधिक समय तक शीर्ष पर रहने का रिकार्ड अपने नाम किया। एटीपी की ताजा रैंकिंग में जोकोविच शीर्ष पर है जिससे वह कुल 311वें सप्ताह में शीर्ष पर बनें हुए है जबकि फेडरर 310 सप्ताह तक शीर्ष पर रहे थे। एटीपी से जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा, 'मुझे यह वास्तव में दिग्गजों के रास्ते पर चलने के लिए उत्साहित करता है।% उन्होंने कहा, 'यह जानना बहुत ही शानदार है कि मैंने अपने बचपन के सपने को उनके बीच रहते हुए पूरा किया। इस उपलब्धि से यह भी पुष्टि होती है कि जब आप लगन और जुनून से कुछ करते है, तो सब कुछ संभव है।% एटीपी मास्टर्स 1000 की रिकार्ड 36 ट्रॉफिया जीतने वाले जोकोविच पहली बार चार जुलाई 2011 को रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे। वह इसके बाद पांच अलग अलग समय पर रैंकिंग में पहले स्थान पर काबिज रहे। फेडरर ने 16 जुलाई 2012 को पीट सम्प्रास के 286 सप्ताह तक रैंकिंग में शीर्ष पर रहने का रिकार्ड को तोड़ा था। 37 साल के जोकोविच 21 मई 2018 को रैंकिंग में 22वें स्थान पर खिसक गये थे लेकिन इसी साल (2018) पांच नवंबर को उन्होंने शीर्ष पायदान पर अपनी वापसी की थी। उन्होंने पिछला साल रिकार्ड की बराबरी करते हुए छठी बार रैंकिग में शीर्ष पर रहते हुए खत्म किया था। इस मामले में उन्होंने सम्प्रास की बराबरी की थी। फेडरर, राफेल नडाल और जिमी कोनोर्स ने पांच-पांच बार शीर्ष पर रहते हुए साल खत्म किया है। जोकोविच पिछले साल फरवरी में पांचवीं बार रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे और तब से इसी स्थान पर काबिज है।

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप : भारत-न्यूजीलैंड के बीच इस दिन और इस मैदान पर खेला जाएगा फाइनल

नई दिल्ली ।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल का मैच लॉर्ड्स के मैदान पर नहीं खेला जाएगा। टेस्ट चैंपियनशिप साउथेम्प्टन के एजेस बाउल में खेला जाएगा। यह फाइनल 18 जून से 22 जून तक भारत और न्यूजीलैंड के बीच में खेला जाएगा। 23 जून को रिजर्व दिन के रूप में रखा जाएगा। इसकी पुष्टि **BCCI** के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने की। उन्होंने कहा कि हां, साउथेम्प्टन में कोविड 19 की स्थिति पर नजर रखते हुए फाइनल खेला जाएगा। विराट कोहली की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने इंग्लैंड की टीम को घरेलू जमीन पर 3-1 से हराकर आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंक तालिका पर पहला स्थान हासिल किया। भारतीय टीम ने सर्वाधिक जीत प्रतिशत 72.2 के साथ न्यूजीलैंड को पछाड़ पहले स्थान पर पहुंची। न्यूजीलैंड टीम आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम है। न्यूजीलैंड ने 70 प्रतिशत जीत के साथ अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस टूर्नामेंट के लिए 69.2 जीत प्रतिशत रहा और वह तीसरे स्थान पर मौजूद रहा। वहीं भारत के हाथों 3-1 से सीरीज हारने के बाद इंग्लैंड की टीम को बड़ा झटका और वह अंक तालिका में चौथे स्थान पर रही। इंग्लैंड की टीम के आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 61.4 प्रतिशत अंक ही हासिल कर पाई।

रोड टू मेल्टवाटर विदित टूर शतरंज - ग्रांड मास्टर गुकेश बने विजेता

नई दिल्ली (निकलेश जैन) रोड टू मेल्टवाटर शतरंज के ख़िताबी मुक़ाबले मे दुनिया के दूसरे सबसे कम उम्र के ग्रांड मास्टर डी गुकेश नें ख़िताबी जीत हासिल की । इसके साथ ही गुकेश समेत आठ खिलाड़ी चैम्पियन चैस टूर के इंडियन क्वालिफायर मे जगह बनाने मे कामयाब रहे । फाइनल मुक़ाबले मे गुकेश और इंटरनेशनल मास्टर आरोण्यक घोष के बीच बेहद ही कड़ा और रोमांचक मुक़ाबला खेला गया । दोनों के बीच पहले चार रैपिड मुक़ाबले खेले गए जो की बिना किसी परिणाम के समाप्त हुए और स्कोर 2-2 से बराबरी मे था इसके बाद हुआ टाईब्रेक के तौर पर अरमागेदेन का मुक़ाबला जिसमें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए गुकेश नें 48 चालों मे जीत दर्ज करते हुए 3-2 से फाइनल अपने नाम कर लिया और विजेता बन गए जबकि अरोण्यक को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा । तीसरे स्थान के लिए हुए मुक़ाबले मे एसएल नारायनन नें अर्जुन एरिगासी को 2-1 से पराजित किया ।

आईएसएल-7 (सेमीफाइनल-2, लेग-2) : फाइनल का टिकट पाना चाहेंगे एटीकेएमबी, हाईलैंडर्स

फातोर्दा (गोवा)।

एटीके मोहन बागान और हाईलैंडर्स नाम से मशहूर नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी की टीमों ने हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन के दूसरे सेमीफाइनल के पहले चरण में 1-1 से ड्रॉ खेला था। अब जबिक दूसरा चरण मंगलवार को फातोर्दा के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में होना है, दोनों टीमें अपना पूरा दमखम झोंकेत हुए फाइनल का टिकट हासिल करना चाहेंगी। हाईलैंडर्स टीम पहली बार फाइनल में जाने के लिए प्रयासरत है जबकि एंटोनियो हाबास की देखरेख में एटीके मोहन बागान तीसरी बार फाइनल खेलना चाहेगी। हाईलैंडर्स ने अंतिम मिनट में इदरिसा सिल्ला द्वारा किए गए गोल की मदद से हाबास की टीम को जीत नहीं हासिल करने दिया था। इस टीम ने हालांकि 34वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली थी।कोलकाता टीम का डिफेंस पूरे सीजन के दौरान काफी मजबूत रहा है। इस टीम ने सिर्फ 15 गोल खाए हैं लेकिन इस टीम ने अपने बीते तीन मैचों में पांच गोल खाए हैं, जिसके कारण उसे विनर्स शील्ड गंवाना पड़ा4।कोच हाबास मानते हैं कि इस तरह के हालात आते हैं और क्योंकि कई मौकों पर खिलाड़ी अपना ध्यान खो देते हैं।हाबास हालांकि अगले मैच को लेकर रिलैक्स्ड नजर आए। हाबास ने कहा, किसी तरह का दबाव नहीं है। यह बड़े मौके भुनाने का अवसर है और यह मौका दोबारा हाथ नहीं आएगा। हमें इस पल का लुत्फ लेना होगा। हमें अपना श्रेष्ठ देते हुए सेमीफाइनल के एंजॉय करना होगा। खालिद जमील की टीम, जो कि बीते 10 मैचों से अजेय है, के बारे में उनके अप्रोच पर पूछे जाने पर हबास ने कहा, मैंने अपने खिलाड़ियों से संयम बनाए रखने के लिए कहा है। रणनीति बिल्कुल साफ है। संयम बनाए रखते हुए अच्छी फुटबाल खेलना है।बागान टीम मंगलवार को एकर बार फिर डेविड विलियम्स और रॉय कृष्णा पर आश्रित होगी क्योंकि दोनों इस स्तर पर लक्ष्यों के साथ योगदान करने में कभी असफल नहीं हुए। नॉर्थईस्ट के लिए, जो जमील की देखरेख में अब तक नाबाद है, यह उसका पहला फाइनल होगा, बशर्ते वह एटीकेएमबी को हरा दे। जमील ने कहा, हमें परिणाम प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा क्योंकि यह एक करो या मरो का खेल है। हमेशा दबाव होता है। मैंने लड़कों को इस दबाव का आनंद लेने के लिए कहा है। दोनों टीमों को अवे के गोल नहीं होने के कारण परिणाम के लिए लड़ना है, इसलिए यह हमारे प्रतिद्वंद्वी के लिए भी समान है।

संक्षिप्त समाचार

स्विस ओपन : सिंधु को फाइनल मिली हार, मारिन ने एकतरफा मुकाबले में किया चित

बासेल । विश्व चैम्पियन पीवी सिंधु को स्विस ओपन के फाइनल में रविवार को यहां ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कैरोलिना मारिन ने एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी। 25 साल की भारतीय खिलाड़ी के पास मारिन की फुर्ती और सटीक खेल का कोई जवाब नहीं था। स्पेन की इस खिलाड़ी ने सिंधु को सिर्फ 35 मिनट में 21-12, 21-5 से मात दी। सिंधु की यह मारिन के खिलाफ लगातार तीसरी हार है। मारिन ने इससे पहले थाईलैंड में आयोजित दोनों सुपर 1000 स्पर्धा का खिताब अपने नाम किया था। वह एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में उपविजेता रही थी। इस जीत से विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज मारिन ने साल का अपना तीसरा खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में सातवें पायदान पर काबिज सिंधु पिछले 18 महीने में अपना पहला फाइनल मुकाबला खेल रही थी। इस मैच से पहले विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ 13 मैचों में उन्होंने पांच में जीत दर्ज की थी। सिंधु ने पिछले चार मैचों में एक भी गेम नहीं गंवाया था लेकिन वह मारिन के खिलाफ दबाव में इस लय को बरकरार नहीं रख सकी। मारिन ने रियो ओलंपिक (2016) के फाइनल में भी सिंधु को हराया था। सिंधु अब 17 से 21 मार्च तक 8,50,000 डॉलर इनामी ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर : मनिका और साथियान दूसरे राउंड में

भारतीय टेबल टेनिस मनिका बत्रा और जी साथियान ने यहां जारी वर्ल्ड टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) स्टार कटेंडर टूर्नामेंट में अपने-अपने मुकाबले जीत कर दूसरे राउंड में जगह बना ली। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मनिका ने महिला एकल पहले राउंड में चीनी ताइपे की हेसिन तेजइ चेंग को 3-0 से मात दी। उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी को 11-5, 11-9, 11-9 से हराया। राउंड-16 में मनिका का सामना मंगलवार को वर्ल्ड नंबर-3 जापान की मिमा से होगा। पुरुष एकल में वर्ल्ड नंबर-37 जी साथियान ने 40वीं रैंकिंग के खिलाड़ी इमैनुअल लेबेसन को 3-2 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। साथियान ने लेबेसन को 9-11, 7-11, 11-7, 11-4, 11-4 से मात दी। राउंड-16 में अब साथियान की सामना वर्ल्ड नंबर-5 जापान के हेरिमोतो तोमोकेजु से होगा। उधर चार बार के राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता अचंता शरत कमल अपने पहले राउंड में प्यूटरे रिको के ब्रायन अफानाडोर से भिड़ेंगे।

पहलवान बजरंग पूनिया ने स्वर्ण जीतकर नंबर एक रैंकिंग हासिल की

रोम ।

तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों में लगे भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया ने आखिरी 30 सेकेंड में 2 अंक बनाकर माटियो पेलिकोन रैंकिंग कुश्ती सीरीज में स्वर्ण पदक जीतकर अपने खिताब का बचाव किया जिससे उन्होंने अपने वजन वर्ग में फिर से नंबर एक रैंकिंग हासिल कर ली।

मंगोलिया के तुल्गा तुम्र ओचिर के खिलाफ 65 किग्रा के फाइनल में बजरंग अंतिम क्षणों तक 0-2 से पीछे चल रहे थे लेकिन आखिरी 30 सेकेंड में उन्होंने दो अंक बनाकर स्कोर बराबर कर दिया। रविवार को हुए इस मुकाबले में भारतीय पहलवान ने अंतिम अंक बनाया था और इस आधार पर उन्हें विजेता घोषित किया गया। बजरंग इस प्रतियोगिता से पहले अपने वजन वर्ग की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर थे लेकिन यहां 14 अंक हासिल करने से वह शीर्ष पर पहुंच गए। ताजा रैंकिंग केवल इस टूर्नामेंट के परिणाम पर आधारित है और इसलिए स्वर्ण पदक जीतने वाला पहलवान नंबर एक रैंकिंग हासिल कर रहा है। विशाल कालीरमण ने गैर ओलंपिक वर्ग 70 किग्रा में प्रभावित किया। उन्होंने कजाखस्तान के सीरबाज तालगत को 5-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। इस बीच चार साल के डोपिंग प्रतिबंध के बाद प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी करने वाले नरसिंह पंचम यादव कांस्य पदक के मुकाबले कजाखस्तान के दानियार कैसानोव से हार गए। भारत ने साल की इस पहली रैंकिंग सीरीज में सात पदक जीते। महिला वर्ग में विनेश फोगाट ने स्वर्ण और सरिता मोर ने रजत पदक जीता था। ग्रीको रोमन के पहलवान नीरज (63 किग्रा), कुलदीप मलिक (72 किग्रा) और नवीन (130 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे।

क्वालीफायर टॉसन ने जीता लियोन ओपन का खिताब

लियोन ।

डेनमार्क की किशोरी क्लारा टॉसन ने विक्टोरिया गोलुबिच को सीधे सेटों में हराकर लियोन ओपन टूर्नामेंट का खिताब जीता। यह उनके करियर का पहला खिताब है। क्वालीफाईंग के दो राउंड से लेकर आखिर तक एक भी सेट नहीं गंवाने वाली टॉसन ने गोलुबिच को 6-4, 6-1 से हराया। इस जीत से 139वें रैंकिंग की टॉसन शीर्ष 100 में शामिल हो जाएगी। टॉसन ने मैच के बाद कहा, ''जब मैं इस तरह का खेल खेलती हूं तो वास्तव में अच्छी खिलाड़ियों को भी हरा सकती हूं। मैंने इसके लिये कड़ी मेहनत की है। मैं जब यहां आयी थी तो मैं क्वालीफायर थी। मैंने वास्तव में इसकी उम्मीद नहीं की थी।

प्रीमियर लीग : मैनचेस्टर युनाइटेड ने मैनचेस्टर सिटी के 21 मैचों के विजयक्रम को तोड़ा

लंदन। मैनचेसटर युनाइटेड ने ऐतिहाद स्टेडियम में खेले गए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के मुकाबले में अपने प्रतिद्वंद्वी मैनचेस्टर सिटी को 2-0 से हराकर सभी प्रतियोगिताओं में पिछले 21 मैचों से चले आ रहे उसके जीत के सिलसिले को तोड़ दिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कल रात खेले गए इस मुकाबले में मैनचेस्टर युनाइटेड के लिए ब्रुनो फर्नांडीज ने दूसरे मिनट में पेनाल्टी पर गोल करके टीम को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद ल्यूक शॉ ने 50वें मिनट में दूसरा गोल करते हुए युनाइटेड को 2-0 की शानदार बढ़त दिला दी। मैनचेस्टर युनाइटेड ने इस बढ़त को अंत तक कायम रखते हुए मैनचेस्टर सिटी के पिछले 21 मैचों से जारी विजयक्रम को तोड़ दिया। इस हार के बाद भी मैनचेस्टर सिटी 28 मैचों में 65 अंकों के साथ टॉप पर कायम है। उसके मैनचेस्टर युनाइटेड से 11 अंक ज्यादा है। मैनचेस्टर युनाइटेड लीग में घर से बाहर पिछले 22 मैचों से अजेय है और इसमें से उसने 14 जीते भी हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी : कर्नाटक ने क्वार्टर फाइनल में केरल को दी करारी हार

नई दिल्ली ।

युवा सलामी बल्लेबाज देवदत्त पड्डीकल ने लगातार चौथा लिस्ट ए शतक जड़कर इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला से पहले राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के सामने कड़ा संदेश भेजा जिससे कर्नाटक ने सोमवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में केरल को 80 रन से शिकस्त दी। कर्नाटक ने कप्तान रविकुमार समर्थ की 158 गेंद में 192 रन और 20 साल के बाएं हाथ के खिलाड़ी पड्डीकल की स्ट्रोक्स से भरी 101 रन की पारी से तीन विकेट पर 338 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके बाद उसने केरल को 258 रन पर समेट दिया। केरल का कर्नाटक को बल्लेबाजी का न्यौता देने का फैसला उस पर भारी पड़ा। समर्थ और पड्डीकल ने उनके आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए पहले विकेट के लिए 249 रन की भागीदारी निभाई। समर्थ ने शुरू से आक्रामकता बरतते हुए अपनी पारी में 22 चौके और तीन छक्के लगाए। उन्होंने 112 गेंद में शतक पूरा किया। वहीं पड्डीकल की पारी में 10 चौके और दो छक्के जड़े थे। पड्डीकल ने राष्ट्रीय वनडे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपना लगातार चौथा लिस्ट ए शतक जड़ा और वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय बन गए। वहीं समर्थ ने विजय हजारे नाकआउट मैच में अनुभवी वसीम जाफर के नाबाद 170 रन को पछाड़ दिया। पड्डीकल 43वें ओवर में और समर्थ 49वें ओवर में आउट हुए लेकिन उन्होंने सुनिश्चित किया कि टीम 315 रन से ज्यादा का स्कोर बना ले। मनीष पांडे ने नाबाद 34 रन का योगदान दिया। केरल के लिए मध्यम गति के गेंदबाज बासिल एनपी ने 57 रन देकर तीन विकेट हासिल किये जबकि पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने 10 ओवर में 73 रन लुटाए। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी केरल को तेज गेंदबाज रोनित मोरे (36 रन देकर पांच विकेट) ने शुरूआती झटके दिए, उन्होंने रोबिन उथप्पा (02) और रोहन कुनुमल (02) को आउट किया। एम प्रसिद्ध कृष्णा ने विष्णु विनोद (28) को आउट किया जिससे केरल का स्कोर तीन विकेट पर 52 रन हो गया। वत्सल गोविंद ने 92 और कप्तान सचिन बेबी के साथ चौथे विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी निभाई। सचिन बेबी के आउट होने के बाद मोहम्मद अजहरूद्दीन ने 52 रन की पारी खेली। वत्सल और अजहरूद्दीन ने पांचवें विकेट के लिए 92 रन की भागीदारी निभायी। इसके बाद टीम 258 रन पर सिमट गई।

ब्रूक्स कोएपका के हटने से लाहिड़ी को मिला प्लेयर्स चैंपियनशिप में भाग लेने का मौका

पोंट वेद्रा बीच (फ्लोरिडा) । भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी को चार बार के मेजर चैंपियन ब्रूक्स कोएपका के घुटने की चोट के कारण हटने से अगले सप्ताह होने वाली 'द प्लेयर्स चैंपियनशिप' में भाग लेने का मौका मिल गया है। पीजीए टूर ने विज्ञप्ति में कहा- आठ बार के पीजीए टूर विजेता ब्रूक्स कोएपका चोट के कारण 2021 प्लेयर्स चैंपियनशिप से हट गए हैं। उनकी जगह भारत के अनिर्बान लाहिड़ी को लिया गया है। चैंपियनशिप में कुल 154 गोल्फर भाग लेंगे। लाहिड़ी पिछले सप्ताह आर्नोल्ड पामर आमंत्रण टूर्नामेंट में छह ओवर 78 का कार्ड खेलने के कारण जल्द ही बाहर हो गए थे। हीरो इंडियन ओपन 2015 के बाद कोई खिताब नहीं जीत पाने वाले लाहिड़ी ने पीजीए टूर इस सत्र में नौ प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल सितंबर में कोरालेस पुटाकाना रिसॉर्ट और क्लब चैंपियनशिप में रहा था जिसमें वह संयुक्त छठे स्थान पर रहे थे।

सूरत। मणी नगर डिंडोली में हनुमान जी के मंदिर का काम चालू है इसमें किन्नर समाज की टीम याने एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत शहर प्रमुख किन्नर समाज सीता बेन, गीता बेन, सपना बेन, गंगा बेन इन्होंने मिलकर हनुमान जी के मंदिर में दान दीया। ऐसे जांबाज किन्नरों को हम सलाम करते हैं और भी ये गरीबों तक पहुंचते हैं और सबके हालचाल पूछ कर उनकी मदद करते हैं ।

अहमदाबाद की आयशा जैसी सूरत की शबाना की कहानी

शबाना ने अपने पति के खिलाफ मामला दर्ज करवा है पति ने कहा- मर क्यों नहीं जाती

सूरत ।

पिछले महीने अहमदाबाद की आयशा नाम की एक युवती पति की प्रताड़ना से परेशान होकर साबरमती नदी में मौत की छलांग लगा दी थी। आत्महत्या करने से पहले आयशा ने अपने पति से बातचीत की थी। जिसमें उसका पति आरिफ ने आयशा को आत्महत्या के लिए उकसाया था। आयशा की आत्महत्या ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। यह मामला अभी शांत भी नहीं हुआ कि सूरत से भी ऐसा ही एक मामला सामने आया है। मिल रही जानकारी के अनुसार, सूरत के लालगेट इलाके में रहने वाली शबाना नाम की एक युवती को उसके पति ने छोड़कर दूसरी शादी कर ली है। शबाना का पति अब उसे मर जाने के लिए कह रहा है। फिलहाल शबाना ने पति के खिलाफ मामला दर्ज करवाकर न्याय की मांग की है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली शबनम मलिक उर्फ शबाना वर्तमान में नागोरीवाड, लालगेट में रहती है। शबाना की शादी साढ़े ६ साल पहले नसीम मलिक से हुई थी और उनकी एक ४ साल की बेटी भी है। ३ दिन पहले शबाना को पता चला कि नसीम ने अपने किसी रिश्तेदार से शादी कर ली है और उसे घर ले आया है। जब शबाना ने इसका विरोध किया तो उसके पति नसीम ने शबाना से कहा, "मैं तुम्हें नहीं चाहता।" तू मर जा " तू अभी तक जिंदा कैसे है?" तुझे तो मर जाना चाहिए था। अभी तक आत्महत्या नहीं की है? " इतना ही नहीं नसीम के रिश्तेदार भी शबाना को परेशान कर रहे हैं। शबाना कहती है कि मुझे दूसरी आयशा नही बनना मैं अपनी बेटी के लिए जीना चाहता हूं। इस मामले को लेकर शबाना ने लालगेट पुलिस स्टेशन में पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जबकि लालगेट थाने के पीआई डाभी का कहना है कि शबाना ने पुलिस शिकायत दर्ज नहीं की है, बल्कि केवल आवेदन किया है। वहीं नसीम ने पुलिस को बताया हम ४ शादियां कर सकते हैं दूसरी पत्नी को मैं रखने को तैयार हूं इसलिए इससे किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए।

अहमदाबाद शहर में खुद पुलिस ही नहीं सुरक्षित

अहमदाबाद ।

पुलिस हमेशा लोगों की सुरक्षा के लिए तैयार रहती है लेकिन अहमदाबाद शहर की पुलिस खुद ही सुरक्षित नहीं। ऐसा इसलिए कहना पड़ रहा है कि अहमदाबाद में पिछले दो वर्षों में १४२ पुलिस हमले हुए हैं। गुजरात विधानसभा के बजट सत्र के प्रश्नकाल के दौरान दरियापुर के विधायक ने इस मामले को लेकर सरकार से सवाल पूछा गया था जिसका जवाब देते हुए सरकार ने यह जानकारी दी। दरियापुर के विधायक गयासुद्दीन शेख ने गुजरात विधानसभा में बजट सत्र के प्रश्नकाल के दौरान अहमदाबाद शहर में एक पुलिस अधिकारी / कर्मचारी पर होने वाले हमले की घटनाओं के बारे में जवाब तलब किया था। गयासुद्दीन शेख ने पूछा कि पिछले दो वर्षों में अहमदाबाद शहर कितने पुलिस अधिकारी / कर्मचारी पर हमले की कितनी घटनाएं हुई हैं। सरकार ने कांग्रेसी विधायक के जवाब में कहा कि १ फरवरी, २०१९ से ३१ जनवरी, २०२० तक ७२ घटनाएं हुईं और १ फरवरी, २०२० से ३१ जनवरी, २०२१ के बीच पुलिस पर ७० हमलों की घटनाएं सामने आई है। इतना ही नहीं सदन में राज्य सरकार की ओर से जानकारी देते हुए बताया गया कि ७२ मामलों में ३२७ आरोपी और ७० मामलों में ३२३ आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जबकि ४६ आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई लंबित है। कार्रवाई नहीं होने के पीछे सरकार ने जबाव देते हुए बताया कि आरोपियों को कोर्ट की ओर स्टे मिल गया है। इतना ही नहीं कुछ आरोपी मामले के बाद से फरार चल रहे हैं।

गुजरात के कच्छ में किसानों ने हाईवे पर किया चक्काजाम

भुज ।

मोदी सरकार द्वारा तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन जारी है। दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर किसान १०० दिनों से ज्यादा वक्तसे प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों की एक ही मांग है कि कानून को रद्द किया जाए।

इस बीच गुजरात से जानकारी सामने आ रही है कि कच्छ में प्रदर्शन करने वाले किसानों पर पुलिस ने लाठाचार्ज किया है। मिल रही जानकारी के अनुसार, एक निजी बिजली कंपनी किसानों के खेतों से बिजली लाइनों लेकर जा रही है। जिसका किसान विरोध कर रहे हैं। विरोध करने वाले किसानों ने आज स्थानिक हाईवे पर ट्रैक्टर की मदद से चक्काजाम कर दिया। जहां एक तरफ किसान खेत में बिजली की लाइन डालने का विरोध कर रहे हैं। वहीं दूसरी बिजली कंपनी बिजली लाइनों को बिछाने के लिए आज सुबह से ही भुज के जडोदर और कोटड इलाके में सर्वे कर रही है।

किसानों का आरोप है कि उनके खेतों से होकर गुजरने वाली उच्च विद्युत लाइनें फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं। इस मामले को लेकर कई बार शिकायत की गई है बावजूद इसके कोई कदम नहीं उठाया गया। खेत के ऊपर से बिजली लाइन डालने को लेकर होने वाले सर्वे से नाराज स्थानिक किसानों ने चक्का जामकर जमकर सरकार और बिजली कंपनी के खिलाफ नारेबाजी की। मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसानों को हटाने के लिए लाठीचार्ज कर दिया। गौरतलब है कि मोदी सरकार द्वारा लागू तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ किसान का आंदोलन १०० दिन के पार पहुंच गया है। जहां एक तरफ आंदोलनरत किसान तीनों कानूनों को रद्द करने की मांग कर रहे हैं।

वहीं सरकार दावा कर रही है कि नए कानूनों से किसानों को फायदा पहुंचने वाला है। केंद्र सरकार साफ कर चुकी है कि कृषि कानूनों को रद्द नहीं किया जाएगा बल्कि संशोधन जरूर करने की तैयारी दिखा रही है।

५ साल में ३२७ डॉक्टर विदेश चले गए

गांधीनगर ।

सरकारी खर्च पर और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद गुजरात के डॉक्टर विदेश जाना ज्यादा पंसद करते हैं। पिछले ५ वर्षों में ३२७ डॉक्टर सरकारी फीस से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद विदेश चले गए हैं। इन डॉक्टरों के अध्ययन पर सरकार ने करोड़ों रुपये खर्च किए हैं। गुजरात विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कांग्रेसी विधायक के द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए सरकार ने यह जानकारी दी। गुजरात विधानसभा में जानकारी देते हुए, राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में, ३२७ डॉक्टर नियमों का उल्लंघन करते हुए विदेश जा चुके हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने इन डॉक्टरों से सरकारी बांड के रूप में ६ ।२८ करोड़ रुपये एकत्र किए हैं। अब किसी भी डॉक्टर से बांड की राशि वसूलना बाकी नहीं है। मेडिकल शिक्षा दिन प्रतिदिन महंगी होती जा रही है। निजी मेडिकल कॉलेजों का फीस-डोनेशन माता-पिता देने में नाकाम रहते हैं। अच्छे प्रतिशत वाले उज्ज्वल छात्रों को सरकारी शुल्क पर सरकारी मेडिकल कॉलेज में अध्ययन करने का अवसर मिलता है। जहां डॉक्टर्स को मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद गांवों में सेवा देनी पड़ती है। लेकिन अब डॉक्टरों की मानसिकता भी बदल गई है। सरकारी खर्च पर पढ़ाई करना और विदेशों में पैसा कमाना डॉक्टरों की नई पीढ़ी की मानसिकता बन गई है। ऐसे समय में जब गुजरात के गांवों में प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की भारी कमी है। ऐसे में राज्य सरकार सरकारी फीस से पढ़ाई करने वाले छात्रों के प्रति ढुलमुल रवैया दिखा रही है।

अगर बंगाल में BJP जीती, तो गुजरात में भी जल्द होंगे चुनाव

वलसाड ।

इस समय पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की चर्चा पूरे देश में हो रही है। बंगाल सहित ५ राज्यों में चुनाव होने वाले हैं लेकिन सभी की निगाहें पश्चिम बंगाल पर टिकी हुई है। इस बीच गुजरात सरकार के एक मंत्री ने रविवार को दावा किया कि अगर पश्चिम बंगाल में भाजपा जीतती है, तो राज्य में २०२२ के अंत से पहले विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। बता दें पहले चरण में पश्चिम बंगाल की २९४ में से ३० सीटों पर २७ मार्च को वोट डाले जाएंगे। वहीं, दूसरे चरण में ३० सीटों पर एक अप्रैल को, तीसरे चरण में ३१ सीटों पर ६ अप्रैल को, चौथे चरण में ४४ सीटों पर १० अप्रैल को, पांचवे चरण में ४५ सीटों पर १७ अप्रैल को, छठे चरण में ४३ सीटों पर २२ अप्रैल को, सातवें चरण में ३६ सीटों पर २६ अप्रैल को और आठवें चरण में ३५ सीटों पर २९ अप्रैल को वोट डाले जाएंगे।

नतीजों की घोषणा दो मई को होगी। गुजरात के वन मंत्री रमन पाटकर ने वलसाड जिले के उमरगाम में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा हर जगह जीत रही है, ऐसे में गुजरात में चुनाव के लिए माहौल अनुकूल है। पाटकर ने दावा किया कि अगर पश्चिम बंगाल में भाजपा जीतती है, तो जल्द ही गुजरात में चुनाव की घोषणा की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि अभी कुछ दिनों पहले, भाजपा ने गुजरात में स्थानीय निकाय चुनावों में बंपर जीत हासिल की है, जबकि कांग्रेस को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। चुनाव परिणाम के बाद गुजरात के भाजपा नेताओं में काफी उत्साह दिखाई देता है। जिला-तालुका और नगरपालिका चुनाव में मिली कामयाबी की जगह से पार्टी कार्यकर्ताओं में नई जान फूंक दी है।

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भी राज्य के लोगों को भाजपा पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद दिया है। सभी की निगाहें अब पश्चिम बंगाल सहित ५ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों पर है।

गुजरात से शराबबंदी हटाने पर बहनें सुरक्षित नहीं रहेंगी

गांधीनगर ।

गुजरात विधानसभा के बजट सत्र में प्रश्नकाल चल रहा है। विधानसभा में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य में शराब पर लगे प्रतिबंध को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया है।

सीएम रुपाणी ने कहा कि अगर गुजरात से शराबबंदी हटा दी जाएगी तो बहनें सुरक्षित नहीं रहेंगी। गुजरात में शराब पर प्रतिबंध है इसलिए शांति और सुरक्षा है। समय-समय पर गुजरात से शराबबंदी कानून को खत्म करने की मांग की जाती है। १९६० में गुजरात के गठन के बाद से शराब पर प्रतिबंध लगा रहा है। महाराष्ट्र से अलग होने वाले गुजरात में शराब पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। लेकिन महाराष्ट्र में शराबबंदी को लागू नहीं किया गया था। गुजरात में शराब पर प्रतिबंध हटाने के लिए गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला भी समय-समय पर बयान देते रहते हैं।

शंकरसिंह वाघेला कह चुके हैं कि भाजपा-कांग्रेस दोनों को राज्य से शराब पर प्रतिबंध हटाने में दिलचस्पी नहीं क्योंकि इससे दोनों को फायदा हो रहा है। गुजरात में शराबबंदी एक दिखावा है और इसे हटाया जाना चाहिए। दूसरी ओर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने दोहराया है कि शराब पर प्रतिबंध की वजह से गुजरात की प्रगति और सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण कारक रहा है।

गुजरात में शराब पर प्रतिबंध है इसलिए शांति-सुरक्षा है

गौरतलब है कि अन्य राज्यों से बड़ी मात्रा में शराब की तस्करी होती है। राज्य से शराबबंदी कानून हटाने की सोशल मीडिया पर भी अभियान चल चुका है। गुजरात की हकीकत देखने के बाद ऐसा लगता है कि राज्य में शराबबंदी कानून सिर्फ सरकारी फाइलों में नजर आती है।

राष्ट्रीय वन्यजीव रोग निदान अनुसंधान केंद्र होंगे विकसित

अहमदाबाद । केंद्र सरकार गुजरात के सासण गीर जंगल में एशियाई शेरों के संरक्षण तथा उनके रोगों के निदान के लिए राष्ट्रीय वन्यजीव रोग निदान अनुसंधान और रेफरल केंद्र विकसित करेगी। राज्यसभा में वन व पर्यावरण मंत्री बाबूल सुप्रियो ने सांसद परिमल नथवाणी के प्रश्न के जवाब में यह बात कही। केंद्रीय वन व पर्यावरण मंत्री बाबुल सुप्रियो ने राज्यसभा सदस्य परिमल नथवाणी के सवाल के जवाब में कहा कि गुजरात सरकार तथा भारतीय वन्यजीव संस्थान से परामर्श के बाद शेर परियोजना के लिए तैयार एक दस्तावेज के तहत गीर राष्ट्रीय पार्क व अभयारण्य में राष्ट्रीय वन्यजीव रोग निदान अनुसंधान और रेफरल केंद्र बनाया जाएगा। शेर परियोजना के तहत एशियाई शेरों का वैज्ञानिक ढंग से संरक्षण व प्रबंधन सुरक्षित करने के इस केंद्र का निर्माण किया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ी संख्या में उनकी मौजूदगी बनाए रखने तथा विलुप्त होने से बचाया जा सके। नथवाणी ने बीमार व जख्मी शेरों के उपचार तथा आपातकाल में शेरों में पाई जाने वाली कैनाइन डिस्टेंपर जैसी संक्रमण की बीमारी से निपटने के उपायों के बारे में भी पूछा, जिसके जवाब में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि बीमार व घायल शेरों के उपचार के लिए दो अस्पताल व सात बचाव केंद्र गीर में सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ उपलब्ध हैं।

अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट पर बढ़ा सुरक्षा घेरा

साबरमती रिवरफ्रंट पर आयशा मकराणी की खुदकुशी के बाद गुजरात सरकार ने एक अहम फैसला लिया है

अहमदाबाद ।

साबरमती रिवरफ्रंट पर आयशा मकराणी की खुदकुशी के बाद गुजरात सरकार ने एक अहम फैसला लिया है। साबरमती नदी में पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। रिवरफ्रंट पर २० पुलिस चौकियां स्थापित की जाएंगी। इतना ही नहीं १५ स्कूटर, २ गोल्फ कार्ट द्वारा साबरमती नदी में पुलिस गश्त भी करेगी। नदी में स्पीड बोट से गश्त के साथ ही साथ थ्रीन लेन सुरक्षा स्थापित करने की तैयारी की जा रही है। साबरमती रिवरफ्रंट के दोनों ओर २५० से अधिक सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। यह कैमरे फेस स्कैनिंग वाले होंगे। सभी कैमरों की निगरानी रिवरफ्रंट पर मौजूद पुलिस चौकी पर की जाएगी, जिसके आधार पर अगर किसी आदमी की फोटो कंट्रोल रूम के मॉनिटरिंग सिस्टम में डाला जाएगा तो उसका लोकेशन फौरन पता चल जाएगा। फोटो के आधारा कंट्रोल रूम के मॉनिटरिंग सिस्टम यह पता लगा लेगा कि आदमी रिवरफ्रंट के किस जगह पर है।

रिवरफ्रंट पर एक स्पीडबोट है, जिसकी मदद से नदी में डूबने वाले लोगों को बचाया जा रहा है। हालांकि नए प्रोजेक्ट के मुताबिक पुलिस को २ और स्पीड बोट दी जाएंगी। जिसमें डूबने वाले को बचाने के लिए तैराकों के साथ पुलिसकर्मी भी मौजूद रहेंगे। वर्तमान में अहमदाबाद में एक साइबर पुलिस स्टेशन है लेकिन २ नए साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। ताकि सोशल मीडिया के माध्यम से महिलाओं के उत्पीड़न की घटनाओं की जांच महिला पुलिस द्वारा की जा सके। केवल महिला पुलिस ही महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध की शिकायतों को दर्ज कर पाएगी। इतना ही नहीं पुलिस सभी टैक्सी-कैब के साथ-साथ अहमदाबाद में रिक्शा पर क्यूआर कोड लगाएगी और इसका रिकॉर्ड पुलिस कंट्रोल रूम के पास होगा। इसके साथ ही शहर की पुलिस एक वेबसाइट लॉन्च करेगी, जिसे महिला को मोबाइल में इंस्टॉल करना होगा, जब महिला यात्री, टैक्सी, कैब, रिक्शा में सवार होने से पहले मोबाइल फोन में क्यूआर कोड स्कैन करेगी तो यह पता चल जाएगी वह किस वाहन से यात्रा कर रही है।

25 जैन संगीतकारों द्वारा अद्भुत संगीत के साथ एक महान शाश्वतवा का कार्यक्रम

सूरत।

प. पू श्री उदयरत्न विजयजी म. सा. आचार्य पद के तीन दिवसीय महोत्सव का आज पहला दिन था। इसकी शुरुआत सर्वप्रथम शाश्वत अभिषेक से हुई। इस गच्छाधिपति में आ. भ. श्री अभयदेव सूरीश्वरजी म. सा. आ. रत्नचंद्र सूरिजी, आ. मुक्तिनिलयसुरिजी, आ. मुनीषरत्नसूरिजी, आ.मोक्षरत्नसूरिजी के साथ ही कई समुदायों के पूज्य साधु साध्वीजी भगवंत पधारे। शाश्वतवा में, 25 संगीतकारों ने भक्ति में इस हद तक डूब गए कि भगवान या इंद्र की आड़ में युवजन पूजा की आड़ में आने वाले सभी बुजुर्ग भगवान की भक्ति में ध्यान लगाने लगे। राम पवन भूमि स्वर्ग की भूमि लगती थी। अभिषेक के समय, हमारे भगवान विभिन्न रूपों में प्रकट हुए।

जिसके दर्शन से आँखों में स्नेह की धारा बिना बारिश के नहीं रह सकती थी। वाराही से आए शांति सुख के स्वामी शांतिनाथ को अजीब तरह से सताया गया था। उत्सव की शाम को, जीनालय का एक भव्य महापूजा और कल एक विशेष पूर्वाचार्य वंदना आयोजित की जाएगी। शाम को विशेष संगीतकारों द्वारा पू. उदयरत्न विजयजी म.सा. रचित गीतों की भक्ति गूंजेंगी। आचार्य की पदवी बुधवार सुबह 7 बजे शुरू होगी। 700 गाथाओं का नंदी सूत्र सुना जाएगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)